

DPN 5876

Title : सारस्वती प्रक्रिया SĀRASVATĪ PRAKRIYĀ

Run. No. 6567

Cat. No.

Micro. No.

Subject व्याकरण Grammar

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 25 x 9

Folios 156
(omission 1 fol.)
Chapt. / act /

Lines (in a page) 716

Compl. / Incompl.

Author / translator अनुभूति स्वरूपाचार्य

Scribe / donor चन्द्रप्रतिवज्राचार्य / कृष्णानन्दरत्नवज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS 920

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

x

श्री श्री गुरुभ्यो नमः श्री गुरुभ्यो नमः श्री गुरुभ्यो नमः
समाप्तः ॥ ॥ संवत् ९२० पौष कृष्ण नवमि, आदित्यवार, श्व कुरु काष्ठमण्डप
पट्टेन माणिसिंह महाविहारकस्थित कृष्णपात्र श्री वज्राचार्य जुगपते : प्रथमात्म-

शीर्षक एवं: Content List

✓	संज्ञा प्रथमा	प्रथम पाठ
✓	स्वामी	द्वितीय पाठ
✓	प्रथम भाग	तृतीय पाठ
✓	अष्टम भाग	चतुर्थ पाठ
✓	विशेष: साध	पञ्चम पाठ

इति

जानुअ, श्री चन्द्रपतिना, स्वाध्यास हेतुना, स्वहस्तेन लिखितं संपूर्णमिति ॥ ॥ यदि धुधकृद्धं...
कालीपुराण कथायासि पुस्तकमिदं ॥

सारस्वती

प्रशास्त्रान्न वज्रा नाप

यंका न एतयत्वं

[illegible][illegible]

मृग्यरु मृधगानि पश्चादरु मृदु र्द्विगी ७

• यानासमा ३

४ गवाकं च म धनुष गवाकं च गवाकं नृप नमः कतिनि पादं म धाकता गवाकं ४

६१

[illegible]

१९ वागयनं गवाक्षस्यात इत्यम्व ७

मि२

गव्यत्रि४

[illegible]

लाय भिर वल व॥ नंजीं वा जल्यो दै॥ नंदीं नाते॥ पदा कलि नाद का ना दा का ना च प न स्या का न स
 ला पा र व ति॥ न नृणा॥ न २५॥ पटा अरु॥ पटा इउ॥ अफ दो कला ने अ न मि ल्य दो ना॥ नय क न ध स सी द
 हा थो स वे लु दो ध ४ स ह॥ स व धु स्य स व धु य न स रु द धा र व नि॥ अ दि यो दा र्घ नो जा नि ना कि दि र्घ
 स्यो दि र्घ नी पृ व द र्घ स न द र्घो प न ना धा वि धी य न॥ अ द्वा अरु॥ अ का उ॥ द धि २२ ह॥ द धी रु॥ ह
 रु स का न॥ हा रु का न॥ पं यं अं स न॥ पं यो स न॥ अं यं अं ग ४॥ द अं यं अं न नृ द धी रु स दि ध र्घ स
 स न क र्ध न पा फि॥ न द र्ध न मा॥ सा मा न्य ४॥ न न नी व ल्प भा व ल वा रु व न॥ प न य पृ व वा धा व
 या य ४॥ अ य न मि द॥ अ २२ ने॥ अ व धु र व धु य न स रु न र व ति॥ न व २२ द॥ न व द॥ म म २२ द

अथ पला वि ना ध व न का र्ध न २२ ति न्या पा न
 य का र

हलि घाला मि लि घा या म नी घा या न ल्य व क स र्क धू क न क धू व सी म नी र्ध न ज लि

म म र्द॥ ह ला द नी षा दो ट ला धा व क य ४॥ ह ल र्ध ४॥ ह ली य ४॥ ला म ल र्ध ४॥ ला म ली षा ४॥ म न स
 र्ध ४॥ म नी षा ४॥ अ य ४॥ अ र्ध ४॥ प न र्ध ४॥ प न र्ध ४॥ क र्क अ ४॥ क र्क धि ४॥ क ल अ ४॥
 क ल र्ध ४॥ सी म र्ध ४॥ सी म क ४॥ अ ४॥ अ व धु उ व धु य न स रु अ र व ति॥ म म ४॥ द की म र्ध ४॥
 द की ४॥ न न ड द की ४॥ न न ड द की ४॥ उ धु उ द की ४॥ उ धु द की ४॥ म अ र्ध ४॥ अ व र्ध ४॥ अ व र्ध ४॥ अ व र्ध ४॥
 व ति॥ न व ४॥ न व र्ध ४॥ क चि दो ४॥ अ व धु स व धु य न स रु क चि दा न र व ति॥ अ य अ र्ध ४॥ अ
 र्ध ४॥ न न स क ४॥ न न र्ध ४॥ अ य प्र व स न व स र्ध ४॥ क म ल द स नी म ल य ४॥ अ य र्ध ४॥ अ य र्ध ४॥
 व स न अ र्ध ४॥ व स न र्ध ४॥ व स न र्ध ४॥ व स न र्ध ४॥ क म ल अ र्ध ४॥ क म ल र्ध ४॥ द न अ र्ध ४॥ द न र्ध ४॥

व २२

वा

70

[illegible]

83

ॐ दयनि॥ ॐ वसवा॥ विसर्जनीयस्य धर्मस्य वसवाका भालवनि॥ क० ४१ न॥ क० ४२ न॥ क० ४३ न॥ क० ४४ न॥ क० ४५ न॥ क० ४६ न॥ क० ४७ न॥ क० ४८ न॥ क० ४९ न॥ क० ५० न॥ क० ५१ न॥ क० ५२ न॥ क० ५३ न॥ क० ५४ न॥ क० ५५ न॥ क० ५६ न॥ क० ५७ न॥ क० ५८ न॥ क० ५९ न॥ क० ६० न॥ क० ६१ न॥ क० ६२ न॥ क० ६३ न॥ क० ६४ न॥ क० ६५ न॥ क० ६६ न॥ क० ६७ न॥ क० ६८ न॥ क० ६९ न॥ क० ७० न॥ क० ७१ न॥ क० ७२ न॥ क० ७३ न॥ क० ७४ न॥ क० ७५ न॥ क० ७६ न॥ क० ७७ न॥ क० ७८ न॥ क० ७९ न॥ क० ८० न॥ क० ८१ न॥ क० ८२ न॥ क० ८३ न॥ क० ८४ न॥ क० ८५ न॥ क० ८६ न॥ क० ८७ न॥ क० ८८ न॥ क० ८९ न॥ क० ९० न॥ क० ९१ न॥ क० ९२ न॥ क० ९३ न॥ क० ९४ न॥ क० ९५ न॥ क० ९६ न॥ क० ९७ न॥ क० ९८ न॥ क० ९९ न॥ क० १०० न॥

71

ति२

12
247

ताम २ नरविक्रि ६५ धनकिमयात ॥ वित्तकृतकर्तृनिकमादिज्जुधरियाया वित्तकि ८ मया वित्त

卷之十一

५

नरहर

८

五

[illegible]

[illegible][illegible]

अनासिवादनका नोकाय न ज्ञातस्मज्जनाभावाति॥६

रुदना उवनादा ॥ १ ॥ पूर्वोदानी नवादी नीजस ॥ २ ॥ धका जावावकाय ॥ ३ ॥ पूर्वपूर्वा ॥ पत्रापना ॥
 अवन ॥ अवन ॥ ४ ॥ दक्षिण ॥ दक्षिण ॥ उरुना ॥ उरुना ॥ अपना ॥ अपना ॥ अधन ॥ अधन ॥ सिखा ॥ ५ ॥ अ
 नन ॥ अकन ॥ ६ ॥ सिद्धा ॥ स्मात्सिनो वावकयो ॥ पूर्वस्मात् ॥ पूर्वस्मात् ॥ पूर्वस्मिन् ॥ पूर्व ॥ पनस्मात् ॥ पना
 त ॥ पनस्मिन् ॥ पन ॥ आदि ॥ दान ॥ अवन दक्षिण उरुन ॥ अपनस्व अकन ॥ पर्यन्त ॥ दक्षिणी विकल्पे ॥ ७ ॥ न
 वीवतुर्थक ववन स्मात् ॥ नित्यमवसवोदिकार्य ॥ प्रथमं वनमंतयं यत् ॥ ८ ॥ द्वितीयं यन्मानी जसीवा
 ॥ प्रथमं ॥ प्रथमा ॥ वनमो वनमा ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

॥

कवी ॥ द्वितीयाय ॥ द्वितीयस्मात् ॥ द्वितीयाय ॥ द्वितीयस्मिन् ॥ द्वितीय ॥ १ ॥ उरुना ॥ उरुना ॥
 दानिर्लक्ष्यं वननाको ॥ २ ॥ उरुना ॥ उरुना ॥ अरुना ॥ उरुना ॥ उरुना ॥ उरुना ॥ उरुना ॥ उरुना ॥ उरुना ॥ उरुना ॥
 रुया ॥ उरुया ॥ रुउरु ॥ उरुय ॥ दस्यनिर्लक्ष्यं वननाको ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥
 नवक ववन रुवत ॥ ३ ॥ उरुका ॥ उरुका ॥ उरुका ॥ उरुका ॥ उरुका ॥ उरुका ॥ उरुका ॥ उरुका ॥ उरुका ॥ उरुका ॥
 ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥
 ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥
 रुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥ उरुय ॥

٧٤

(५)

5

10

15

20

2.5

३ त्रामहनिवसतिमिहसुदिनी ॥ अथानीमदादि कगल्यटीलसम ॥ ४ नाम नूजिवकस्यवकवत्समानपथमपथागावुडनामनिवसतिमिहसुदिनी ॥ ५

[illegible]

21

यन रचित ११४

[illegible]

ॐ
ॐ
प
क
धी

कर

[illegible]

या

[illegible]

७५५३ सामान्य भावित्वाभाववचन

१० कदमविष्णुगमन्यवगुणित्याशु॥ कृगसमासंभृतसंकाश्यानकाश्यादत्तवगि॥ अमृतवृक्षद्विभान

[illegible]

२ ग्तावः। लोत्ता। लोत्ताय॥ २ ग्तावः॥

[illegible]

[illegible]

ॐ ॥ हजवसो ॥ हजवस ॥ हजवा ॥ जनां जनसे ॥ जनसो ॥ जन ॥ जनस ॥ जना ॥ जनसा ॥ जनसा ॥ जना
सी ॥ जनाहि ॥ जनाये ॥ जनसे ॥ जनासी ॥ जनाय ॥ जनया ॥ जनस ॥ जनासी ॥ जनाय ॥ जनया ॥ जनस ॥
जनया ॥ जनसा ॥ जनासा ॥ जनसां ॥ जनायां ॥ जनसि ॥ जनया ॥ जनसा ॥ जनास ॥ ॐ का नान्मसीति ॥ वृद्धि
वृद्ध ॥ नस्यस्यथमादिनीयाथारुनिषवृद्धनपक्रिया ॥ ॐ कानेडच्चाजलार्थ ॥ आविसेग्ने ॥ वृद्धा ॥ वृद्ध ॥ न
न जसि ॥ नत्रय ॥ वृद्धय ॥ वृद्धि ॥ वृद्धी ॥ वृद्धिमेत्त्व न त्वाये ॥ वाविषय ॥ वृद्धी ॥ ॐ यस्वन ॥ वृद्धा ॥ वृद्धित्वी ॥
वृद्धिरि ॥ ॐ इक्षीमेसुयी ॥ क्षियीवर्तमानस्यामिकाभाका नार्थीपनषीदिनीवचनानीवा अजरा मारव
नि ॥ ॐ यस्वन ॥ स्वनहीनयवल्संथायी ॥ ननन ॥ वृद्धो ॥ दिनि ॥ वृद्धय ॥ वृद्धित्वी ॥ वृद्धिस्व ॥ वृद्धा ॥ वृद्ध ॥

257

१५८४।

(६८२)

धना २

006

५ कुमावो २

२६

[illegible]

पद्मोत्पत्तिचरित

याद्यपदाभविष्ट॥ नामिनः स्वर्गः॥ नाम्य नस्य नर्पसकस्य नूजगभारुवनिः स्वर्गपथः॥ ॐ॥ अस्मिनी। अस्मिनी।
नि॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥
पे० स्वर्गस्य यका च सादो॥ नो नस्य पथया अका नस्य सा पारुवनि॥ ॐ॥ सादो स्वर्गपथः॥ नहि नः पि०॥
का चव॥ मका नवका न नर्पस्य इह नस्य नरुवनि॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥
स्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥
पारुवनि॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥ अस्मिनी॥
॥ नर्पसकस्य नर्पसकस्य कस्य रवनि॥ गमयि। कर्त्त॥ स्वर्गदो नामिनः स्वर्गः॥ निन्मा गमः॥ गम

[illegible]

सधं॥सधती॥सधति॥२

रुमधति॥२

सधृति४

[illegible]

सा ४

[illegible]

अभिहितमहद्विषयस्य सप्तमः प्रश्नः ॥ अथ भक्त्या प्रसादात् प्राप्ताः श्रद्धाः ॥ उवाच ॥ उवाच ॥ उवाच ॥ उवाच ॥ उवाच ॥

ਸਿਨੀ ਕੁਲੀ

[illegible][illegible]

२ x ०३ त्या दो ग्रामां पंचविश्वविषयगुहलसामर्थ्यादितिरुयं २

[illegible]

२ पर्वस्थिति विप्रसक्तान् शीघ्रनिगद्यः समाप्तः प्रियवचनो यस्य यस्या वा प्रियवचनो प्रियवचनो प्रियवचनः ॥ शेषमिति सूक्तं कथं च न कस्यमी
वरु वचनं यने विसर्गः ॥ नाथस्थिति वरुणी । तस्माच्च दुर्लभं निविसर्गतावः ॥ ३

अनागाप्रयश्चिनामाकृष्टावापनक्रदीपचक्षन्नुयभान्
ॐ सादीनलीयभा

सूत्रोपदेशमथमुक्ताकसारोऽ

रुद्धि सति निमित्तकार्यं नरुवाति १२

सिंहद्वितीय ३१

5 10 15 20

5 10 15 20

३४

[illegible]

३ का ३ प्रयाग पुनर्विपुल्यः १

[illegible]

52

देविति ४४

[illegible]

१ दो। सामान्यं भूदम्। अदस्य कथं यथा रवनि। स्यादो यत्र ॥

अमीषां अमीषां नात्र मया ॥ अमीषां तामा न्य अदस ४ क ४ स्यादिव ॥ अमृ क ४ ॥ अमृ को अमृ क ४
 त्यादि सर्व भद्र वत् ॥ ॥ ॐ नि रु सा ना ४ य ॥ नि ग ४ ॥ ॥ अथ रु सा ना ४ तु लिं ग धा न ग
 रु का बा न उ पा न रु ४ ॥ न रु ४ ॥ न रु रु का च स्य ध का बा द ४ ॥ रु व नि च स्य धा न रु च ॥ वा व
 सा न ॥ उ पा न रु ॥ उ पा न रु ॥ उ पा न रु ॥ उ पा न रु ४ ॥ उ पा न रु ॥ उ पा न रु ॥ उ पा न रु ॥ उ पा न रु ४ ॥ उ
 पा न रु ॥ उ पा न रु ॥ मि त्या दि ॥ व का बा ना दि व ४ ॥ दि व ४ ॥ सो य न दि वा व का च स्य धो का बा द ४ ॥
 रु व नि ॥ ॐ र्य स्य च ॥ अ वि स ग ॥ ४ ॥ दि वो ॥ दि व ४ ॥ रु धो ॥ वा मि ॥ दि व ४ ॥ अ मि च व वा अ का बा द
 ४ ॥ रु व नि ॥ ४ ॥ दि वी ॥ दि वो ॥ दि व व ४ ॥ दि वा ४ ॥ उ व स ॥ दि व ४ ॥ अ मि च व व स ४ ॥ रु व नि ॥ ॐ र्य स्य च ॥ अ
 य ॥

३ तिस्र चतस्र मद्ययादी योनस्या त्रामिपत्रे द्दं दसिनु वा ३

३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

३८

३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

३८

३९

४०

४१

५

१०

१५

२०

२५

पनद ७

च

४

३२

सोम ३ सना

५३

[illegible]

४ मृमृयाः ४ नमृयाः ४ मृमृयाः ॥ नमृयाः ४ मृमृयाः ४ मृमृयाः ४

हे प्रश्न ४

又

नात्वं । अहं । यदा बोद्धवचने । यथा दसदादि बचनयमयुधमाव ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥ आर्मी ॥ य
 धा दसदा ४ पञ्च ही आम्भुवनि ॥ यवी ॥ जवी ॥ युर्ये वर्ये जसा ॥ जसा सहितया यथा दसदा युर्ये वर्ये ०
 यता वा दलोत्वन ॥ युर्ये वर्ये ॥ त्वमेकदह ॥ यथा दसदा स्वत्मेन ० ॥ यना वा दलोत्वे देन ॥ नके
 त्वमेकमान ॥ आर्मी ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वनित्रामसका वलिसि रोपन ॥ त्वी ॥ मी ॥ यवी ॥ जवी ॥ यदा ४
 द ४ नत्वं वनित्रामसीनिदी दत्वं वनित्रामसीनिदी वक्य ॥ यथा न ॥ अस्मात् ॥ त्वमेकदह ॥ नके ४ नका नभा नका
 धा ४ ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वनित्रामसीनिदी दत्वं वनित्रामसीनिदी वक्य ॥ यथा न ॥ अस्मात् ॥ त्वमेकदह ॥ नके ४ नका नभा नका
 यथा हि ४ ॥ अस्मात् ४ ॥ नत्वं वर्ये ४ यो ॥ ४ सहितया यथा दसदा नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥

रनना ही त्वत्वं नत्वं वनि ॥ नत्वं वर्ये ० ॥ यत्वं नत्वं वनि ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥
 उत्वं ॥ मर्क ॥ यवात्वी ॥ जवात्वी ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥
 या दत्वं वर्ये ० ॥ नत्वं वर्ये ० ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥
 न ॥ नत्वं वर्ये ० ॥ ४ सहितया यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥
 लोदत्वं ॥ ४ मर्क ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥
 यथा न ॥ अस्मात् ॥ ॥ अथा नया ॥ दत्वं वर्ये ० ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥
 दिनीया हि ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥
 दिनीया सहितया ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥

सहितयो २

१ कचित्त्वयाम यथा स्मिन्नर्थे नमस्त्वन् ॥

तव

यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥
 यथा दसदा ४ नत्वं वर्ये ० ॥ यना वा दलोत्वन ॥

४ कल्याणकी ७४

एव

85

[illegible]

वैकीर्णखन

वामे (६) नरेश्वर्याः इत्यमरः

क. ५२

^{यव} नचरुर्था ननुदानस्य किंलक्षणं। नदवाह ^{सत्त्व} सत्त्वनिजसनेयवसंख्योत्पादनीदानावकस्यव
^{सं} संदयार्गित्ययवसत्त्वोत्पादनात्वावेनसंपदानकावकत्वात्ता नचरुर्था ननवासादंदद
^{श्री} दानिगुयवसत्त्वोत्पादनंरवसंवैकर्थंनचरुर्था। नपाद ^{यदा} यदागिदंडीप्रवृधिमदियुगननवागि
^{रु} रुज्ञानंनुदानकामायायदीयनंवासनयास्यारुनदानपाशंकथिनेमनीदं॥ ४७ ॥
^{संप} संपदानतदवस्थात्पूजा नृहकाम्ययादीयमाननसंभागात्त्वामिखेलरुगहियुगवित्तुवाव
^{क्षी} क्षीयचमी॥ वित्तुषावित्तुगैरुगयावधिम्वलनयाश्चसंयौकेवाविवक्तिगुरुगोपादानपच

^{दानार्थक} मी। धावनाऽस्मादयमगुह्यतु गोवनवनिगांभासंदधषठी। नारुसपूवृषाहयऽपिगरेतस्यपूज
^{नी} नी। गुह्यवचनेयथाकावीनीवसवद्वच॥ श्रद्धाप्रसफमी। नृक्षनाधिकनलंमहमद्विधं। ओष
^{धु} धुषिकंसामिषकंश्रितियापकंवेषयिकंनेमिरिकंउपचाविकंचमि। कटलनंरुमाओसोव
^ग गंभव॥ सत्त्वगोमिलेषविश्वनंनलंरुदिवस्मादनीयनं। नवापधुषिकंशिविधीयंगवृलिः
^{थाम} थामवृलिःएकदमवृलिः॥ यामिगदंनियक्रिः। यामवृतिः। जलनोधीद्विनि। व्यंगवृतिः॥ वनः
^{वा} वाद्यनि। छनि। एकदमवृलिः। उरुसन्नमधोनागुल्यएकवितींमनीराव॥ क्रियालक्षणंनगा

१ ग प्राविस्तक गमि वि रुके एवति १

पिसफमी। प्रसिद्ध कि ये या प्रसिद्ध कि चीन जल अमर कि चालक सौं वर्ष कि देव चीन आया
 नः यन ग्यं शुभालिने यनिगी ५ बानि ॥ काल प्रसफमी। वरुन का किला स्वर्न के नी निधाय दि प्रष
 तिसफक द्या ॥ विना सदन मम निरु न सस्त्राम्यादि निध्व न न पि चाला द्वितीया आषाढि रुद्राया
 रुद्राया विनाया पं सध्व रुद्रायाः श्रुत न सस्त्रा किली किं जी विम न श्रुत न चाला मी रुद्राया विनाया दि यदा द्वाया स
 रुद्राया साकी साकी सर्म या ल न गिया गै रुद्राया साकी साकी सर्म या ल न गिया गै रुद्राया साकी साकी सर्म या ल न गिया गै
 ल न गिया गै रुद्राया साकी साकी सर्म या ल न गिया गै रुद्राया साकी साकी सर्म या ल न गिया गै रुद्राया साकी साकी सर्म या ल न गिया गै

१ म नखनातयस्मा

[illegible]

धनं दानं चरुं कुर्यात् कृत्वा दद्यात् गवत उर्ध्वं पूराय कृत्वा निमिषं च दुहति। एष वर्गश्च स्य नि
 कपलापपंचमी च वक्रव्याहृत्यैत्येकं न। हर्म्यमात्रस्यैकं नेत्यर्थः। आसनात्पुनरासनात्
 उपपन्नं नेत्यर्थः। निमिषात्कर्मसंयागसकमी च वक्रव्याहृत्यैत्येकं न। हर्म्यमात्रस्यैकं नेत्यर्थः।
 ऊर्ध्वं पूराय कुर्यात् कृत्वा दद्यात् गवत उर्ध्वं पूराय कुर्यात् कृत्वा दद्यात् गवत उर्ध्वं पूराय कुर्यात् कृत्वा दद्यात्
 दत्तं। वहुनी काशनी गवत उर्ध्वं पूराय कुर्यात् कृत्वा दद्यात् गवत उर्ध्वं पूराय कुर्यात् कृत्वा दद्यात्
 वृत्ता धूर्ध्वे निवाचयत्यपि च यमनाथी यात्यसा धूर्ध्वं गति। मगादिना उदनां पवुड निप्रवृत्ता

३१ ज. था विद्यते मास ता १ ज. थ न्य १ ज. थ व स्य ता १ विरु। जे प म् म् थ व दि रु क् थ म् ज. थ व दि रु कि १ वि नि शानि अर्थ व दि
वि रु कि न् थ व् थ व दि रु कि नि शानि प दाना समा सानि नू य न ॥ ३३
क प थ मा। यदि दं कार्या दि क म न्य ना र्था न क ना वा न्नी क र व नि। न दा प थ मा प्र था क था। घ ट १ कि
य न। घ ट १ कार्य १। दं द सि स्या दि १ सर्व य द धां रु रु नि। प नं तु व क् क म् थ नि १। व उ र्नी वि न श ॥
॥ ०० निका व क य क्रिया ॥ * ॥ अ थ अर्थ व दि रु कि वि णि शानि प दाना समा सानि नू य न समा स
आ न्व ये ना म्नी ॥ नामा स न्य य था ग् थ चे स थ व समा सा र व नि। चि द्वा रु द्वि न पि र व नि। न नी रा र्था प
नू ष म् थ या दा न र व नि। ०० थ दा वि प री ता न्य समा सा ना मि। स च ष दि ध १। अ य यी रा व रु त् य न
षा द्वा व रु वी हि १ क र्म धा व या दि उ म् ये नि। नू रु र्थ व द प थ ना १ य यी रा व १। दि उ न त् य नू थो प न प द

पञ्चनामद्वन्द्वकर्मधात्रयोचालयपदप्रधानोवद्विवाहिवैयपदप्रधानः। ननुकिंयाति सर्वंभानु। डै
यपदप्रधानोविधिर्वल्वान्। उक्तव्यमेकस्ययमेकविरुक्तिकर्त्तृसमासपुयाङ्गनी। अधिस्ती००नि
स्तिनाम्। शुभद्वितीयैकवचनम्। स्थियमधिकृत्यरवानीनिविग्रहः। विग्रहमथनकिञ्च
न। अत्रयथाग्यार्थमयम्किं। पदसंज्ञयाविग्रहावाक्यमितियावन्। किं समासः। अत्रयस्य पूर्वनिपा
नावकव्यः। पूर्वव्ययेऽव्ययीरावः। अत्रयः पूर्वपदसन्ति। अत्रयः। अत्रययीभावसंज्ञकः समासो
रवनि॥ • ॥००॥ नि समाससंज्ञायी॥ • ॥ समासपत्ययोः। समासवर्त्तमानायाविज्ञकः। प

मयचयवत्सुवनि। ॐ मालक॥ उक्ताथ नामयथा गथायायस्यसिगस्यरूपतोय कनिता
 नस्थायादीयुन। नामसज्ञायां स्यादिविभक्तिः। अधिस्तीसि ॐ निस्तिग। सनप्रसक्त। साश्चयी
 लावानर्षसंज्ञिगवनि। नर्षसकत्वात्सर्वी। न्ययीतावार्त्त। न्ययीतावत्यवस्यवित्कत्
 रुवनि। अधिस्तिगृहकार्ये। वायमनिकांगमनिविशर्ल। नावमनिकांगमनिमज्जल। उक्तादु
 हसंध्यकृत्तानामिकावाकावोवकव्यो। यथासादृश्यायथाभासादृश्यावर्तमानसमस्या
 भक्तिमननिकृत्तानागीनियथाभक्ति। पूर्ववत्समाप्तकार्यवकन। नगीमेननैः। उक्तावाका

दययी रा वाय नस्य विरक्त न म भवति ॥ अर्जुन वरुणाय ॥ यमी वरुणाय ॥ यथ ॥ कंठस्य स मीथ
 मय कंठ वरुण ॥ समास पुत्र यात्रि नि कंठ ॥ द्या त्रस्य षष्ठे क व व न स्यात् ॥ कि क न ॥ उय कंठ
 वरुण ॥ उय कंठं यथा वो टो धी ॥ टादि ॥ स न या वा न् मरु व नि ॥ उय कंठ न क न ॥ उय कंठं क
 न ॥ उय कंठं द हि ॥ अ न न नि वि ॥ ष स्यात् ॥ य मी न न र व नि ॥ उय कंठ दान या ॥ उय कंठं द न ॥
 उय कंठं नि ॥ ध हि ॥ उय कंठं नि ॥ ध हि ॥ अ व धा न भा र्थ या व नि त्र ॥ अ व धा न भा र्थ य नि मा स्त नि ॥
 अ य या व नि ॥ ष ष पु य माने अ न च य ॥ ४ ॥ इ य यी रा व स न्त क ॥ स मा सा र व नि ॥ या व लू य मी श सि ना

४७१

मर

वर्णावाक्रष्टा नामामप्यस्य नि॥ यावदमं यवस्य ॥ अवा रो निवस्य क ४ म क्रि का नाम रा वा व
 र्दने ॥ नि निर्म क्रि कं वरु न ॥ समा स पत्य या नि निष व्ही ला प ॥ नाम स र्का यी त्मा दि वि र क्रि ४
 अता म पूर्व व न् अरा वा व्य यी ता व ४ ॥ ॥ ॥ व्य यी ता व ४ ॥ ॥ अमा दो न त्य न् व ४ ॥ द्विः
 नी या य न् पूर्व प द स नि क त्य न् व स न् व क ४ समा सा र व नि ॥ अमं पा क ॥ अम पा क ४ दा क ते दि न् दा
 व क्रि न् रा य पा य दा न् य प दा न् । व क र्ता र यं । व क र्ता र यी । रा ज्ञ १ पु न् व ४ । ना ज पु न् व ४ । अ र्त्ता र्त्ता
 क ४ । अ र्त्ता र्त्ता ४ । अ र्त्ता र्त्ता ४ । अ र्त्ता र्त्ता ४ । क वि द्मा र्थ न स्य प न त्वं । अ र्त्ता र्त्ता र्त्ता । अ र्त्ता र्त्ता र्त्ता

२३ खिचा २

वेकवे १

वामं लभत इह या इह मय

गी

[illegible]

साङ्ख्यार्थकुवलयमध्यमीर्णकुजमचेत्प्रमरः२

००१ स्वत्र। ला. श्रुति। सयागात्रयलाय. वाक
श्रुत

मजिनि

सूक्तिः

प्रथमं वा॥ का प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
नयदादृष्टं रवनि॥ वादमासं रव्या॥ पुकावधमापुर्ववृत्तं वा॥ वादमासं रव्या॥ विपुलादृष्टं रव्या॥
रूपययथा॥ का नान्वधार्थं रव्या॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
नाका नान्वधार्थं रव्या॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
निगमासं रव्या॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
का नान्वधार्थं रव्या॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥

मामिनि कृत्वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
वादीनामध्यापदलायावकृत्वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
तथा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
कचिदादृष्टं रव्या॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
मुमुना॥ इति वाच्यं प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥
नाचपि नो॥ इति वाच्यं प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥ कृत्वा प्रथमं वा॥

माना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ लि ना र्थ निष्ठ त्व स गिरि नि वित र्क्ष्म न पद वा चि त्वं वे य धि क न र्त्त ॥ वे र्य धि
 क न र्त्त व रू वी ह म ध्या य द न्ना पा व क य ॥ क म द स्थ ग न्ध व ग ल्हा य स्थ क म द ग धि ॥ ह र स थ ग म न
 मि त्र ग म न य थ्या ॥ ह र स ग म न ॥ श्री दि क् स थ्या य स र्क्ष्म यी ॥ दि क् स थ्या ॥ धी र्क्ष्म यी वि व य य न प द
 उ त्था र्थ स म स्य म न स्य न्वा र व नि ॥ अ वि य ह नि स्य स मा स मी स अ न्वा र व य य वि ग ह यि ॥ द क्रि त्ता मि
 ॥ स प य न ॥ ॥ ॐ गि स मा स प वि य ॥ ॥ अ ध ग धि गानि न य न ॥ ग र्वा ण्वा र्क्ष्म न र्त्त नोः
 म य द न न र्त्त न प नि य द न हि न र्त्त न ॥ अ य र्त्त न ॥ न म्ना य य र्त्त न य र्त्त न ॥ उ य र्त्त न

ॐ उ का ग द वा अ ग द्वा र्क्ष्म का ना द ॥
 क चि न्ता ग न्ध स्य ग धि र्त्त नो भ व नि ॥

प य मि त्ति वा क ॥ उ य र्त्त न ॥ ॐ गि र्त्त न ॥ स मा स य थ य नि नि व र्त्त न ॥ न का ना द्वा र्त्त न ॥ आ दि स न स्य
 नि ति च व दि ॥ स न र्त्त न ॥ अ दि स न र्त्त न ॥ अ दि स न र्त्त न ॥ अ दि स न र्त्त न ॥ अ दि स न र्त्त न ॥ उ का नः
 र्त्त न ॥ वा र्त्त न ॥ उ का न र्त्त न ॥ वा र्त्त न ॥ वा र्त्त न ॥ वा र्त्त न ॥ वा र्त्त न ॥ वा र्त्त न ॥ वा र्त्त न ॥
 प र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥
 र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥
 र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥
 र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥ र्त्त न ॥

यत्नं धेयं ॥ दमनं यत्नं दमनं ॥ प्रदं न यत्नं न दं वि ॥ ध्यायनं ध्यायनं ध्यायनं
 लज्जा निम्नीयितुं सादृशं ॥ गगनं दं न जं दं न जं दं ॥ लिंगं यितुं सादृशं ॥ ध्यायनं ध्यायनं ध्यायनं
 यत्नं यत्नं यत्नं यत्नं यत्नं ॥ गगनं यत्नं गगनं ॥ वत्सलं यत्नं वत्सलं ॥ न यत्नं यत्नं न यत्नं ॥
 च न यत्नं यत्नं च न यत्नं ॥ न यत्नं यत्नं न यत्नं ॥ न यत्नं यत्नं न यत्नं ॥ न यत्नं यत्नं न यत्नं ॥
 ॥ कथं न यत्नं कथं यत्नं ॥ गगनं यत्नं गगनं ॥ पितृ यत्नं पितृ यत्नं ॥ मातृ यत्नं मातृ यत्नं
 मीय ॥ लब्धं क्वचिन् ॥ अथ यत्नं यत्नं यत्नं यत्नं यत्नं ॥ न यत्नं यत्नं न यत्नं यत्नं न यत्नं यत्नं

गगनं यत्नं गगनं ॥ वत्सलं ॥ अथ यत्नं ॥ विदं ॥ गगनं यत्नं विदं ॥ कथं यत्नं कथं यत्नं
 ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ न यत्नं न यत्नं ॥ न यत्नं न यत्नं ॥ न यत्नं न यत्नं ॥ न यत्नं न यत्नं
 ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं
 ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं
 ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं
 ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं ॥ दं यत्नं दं यत्नं

नःयस्यलोयः॥ अकस्ययकानस्यसाधारवगियपस्ययुनपस्ययस्यनवयन॥ कंचायसिवः
 कानीनः॥ पथनयकाय॥ मसीयोषीनगसवः॥ योषीनः॥ ॐ श्रीवा॥ कृष्णभद्रादियपस्ययावाः
 रवगि॥ कृष्णरवः॥ कृष्णियः॥ कृष्णः॥ सकिरी॥ ॐ डियं॥ अकृदीवागीनिश्रिकः॥ भद्रकनीनी
 श्री गिभादिकः॥ वदरुवावेदिकी॥ नर्ककमलः॥ नार्किकः॥ ह्यनो॥ किमादनयादर्हवाय ५३
 र्थस्यननीयस्योत्तवगः॥ कृष्णरवः॥ कृष्णः॥ ॐ श्रीवा॥ सदागनः॥ पुनागनः॥ चिनन
 ॥ सार्यनन॥ किमादनमि॥ आदिभद्रात्॥ नर्क॥ भद्र॥ भवभद्रात्॥ कृष्णनन॥ वस्यः॥ कृष्णः

तत्रभवः॥ तत्रत्यः॥ कुत्रआगतः॥ कुत्रत्यः॥ तत्रआगतः॥ तत्रत्यः॥ अद्यभवः॥ अद्यजनः॥ लोभवः॥ सुजनः॥ भवः॥ भवजनः॥ २

॥ ॐ ह्ययिरुयं॥ अघाद॥ अगिचका॥ नारुमपस्ययायि॥ ॐ ह्यादि॥ स्वा॥ थ्यि॥ डका॥ ॐ ह्यया॥ स्वा॥ थ्यि
 थिरुवगि॥ दवदरुनवदेवदरुकः॥ अघाखार्थकः॥ धि॥ व॥ वान॥ नव॥ ध्या॥ उव॥ थ्यि॥ स्वा॥ थ्यि॥ थ्यि॥
 धित्वाहृदि॥ चीन॥ नव॥ चीन॥ ॥ सर्वयस्यलोयः॥ अघीनया॥ ॐ ह्यमद॥ सदा॥ लावक॥ मामकादि॥ अः
 धीनर्थ॥ ॐ ह्यया॥ ॐ ह्यनया॥ ॐ ह्यमद॥ सदा॥ लावक॥ मामकादि॥ नाद॥ अरुवगि॥ नावकी॥ मामकी॥ नावकी
 नः॥ मामकीनः॥ ॐ ह्ययानावया॥ ॐ ह्यमार्क॥ अमार्क॥ अघा॥ थ्यि॥ आकीनः॥ असाकीनः॥ अघायस
 र्वनामार्क॥ कृठ॥ अघायानी॥ सर्वनामार्क॥ ॐ ह्यपाक्॥ अघायानी॥ रवत्यस्य॥ ना॥ ॐ ह्यवकी॥ नीवकी॥ ॐ

मुखं १.

मसको॥वदुल्ल॥उल्लसादल्ल॥धवयल्लयारवनि॥वदुल्लसादल्ल॥वदुल्लसादल्ल॥घटवदुल्ल॥पट
वदुल्ल॥रावदुल्ल॥मदुल्लपटुलिनिमिर्ल॥रावदुल्लसिन्तावदुल्लयल्ल॥रावदुल्लयल्ल॥रावदुल्लयल्ल॥
वाकल्लयल्लरावावाकल्ल॥गानल्लयल्लयल्ल॥ल्लिन्तावदुल्ल॥रावदुल्लयल्ल॥वाकल्ल॥वाकल्ल॥
समल्लसीपुथाल्लराव॥शोमनल्लसीरागुल्ल॥समल्लयल्ल॥समल्लयल्ल॥समल्लयल्ल॥समल्लयल्ल॥
यारवनि॥पुथाल्ल॥पुथाल्ल॥समल्लयल्ल॥श्री॥यकानल्ल॥जननल्ल॥वधनल्ल॥सहायनल्ल॥वाकल्ल
धनूकल्ल॥ककोकल्ल॥यकानल्ल॥यकानल्ल॥यकानल्ल॥यकानल्ल॥यकानल्ल॥यकानल्ल॥यकानल्ल॥

३१ अविस्मृतिताक्षार्थेन प्रत्ययात्कृत् ॥४

१ सा ध्व (ध्व) दो म न पु मा श य प्र ह व नि ॥ १३ ॥

कावचिकं केदाविकं ॥ ६० ॥ दण्डकप्रसया ॥ ६१ ॥ कर्मधर्मियतवक्रव्य ॥ ६२ ॥ वाक्कस्यकर्मवाक्कध
नाहं ॥ ६३ ॥ कर्मनार्थानाहं ॥ ६४ ॥ वक्रव्याह ॥ ६५ ॥ सनैतल्यवासिसतीध ॥ ६६ ॥ नावगिटिलाय ॥ ६७ ॥ वागदार्
नात्रयिसमेनिसाधुनिनिय ॥ ६८ ॥ साधुधोय ॥ ६९ ॥ कर्मधिसाधु ॥ ७० ॥ कर्मध ॥ ७१ ॥ सतुर्थासाधु ॥ ७२ ॥ सत्य ॥ ७३ ॥ यम
सहिनवमर्थासगनकीव ॥ ७४ ॥ सत्य ॥ ७५ ॥ ६० ॥ दण्डिप्रथागवसाहुर्य ॥ ७६ ॥ अग्रयधननिर्त्वं ॥ ७७ ॥ लाहिगादतिदि
मन् ॥ ७८ ॥ लाहिगादर्त्त ॥ ७९ ॥ लावेत् ॥ ८० ॥ मन्प्रसयाहवनि ॥ ८१ ॥ सवति ॥ ८२ ॥ लाहिगस्यसावासाहिनिमा ॥ ८३ ॥ काल
स्यरावकासिमा ॥ ८४ ॥ अत्माशवत्रिदिमा ॥ ८५ ॥ पक्र ॥ ८६ ॥ लाहिगना ॥ ८७ ॥ अत्रुना ॥ ८८ ॥ लाहिगर्त्त ॥ ८९ ॥ अत्रुर्त्त ॥ ९० ॥ लाहित्यं ॥

लघिमा लघुमा ॥ लघुर्वलघुर्वी ॥ अणुमनिमवधुस्य नरुवगिं ० मनिपनवासवठिग ॥ समाद
 जेधा ४॥ अकानस्थगिरुगया ४॥ ननमजिमा ॥ पृथ्वीव ४ पथिम ॥ मयार्शवासदिमा ॥ रुमः
 स्यराव ४ क गिमा ॥ रुमस्यरावासुदिमा ॥ ० त्यादि ॥ वराश्वगि विग्रह ॥ वराश्वगिराव ४ ॥
 वराश्वरुनयामिमनादीनामिकानस्यता पारवगि वराश्वनेरसादम ४ ॥ नादिमदादि ४ यम श्रु ५
 लं ॥ ० मन् ० ० निरुम ॥ ० कानलोप ४ ॥ रुमा ॥ नगनाजन्मदवन्मस्य (धर्म ३ ४) नाभाः
 अस्त्य (धर्म ३ ४) पयशोरवगिस्त्रस्यस्मिन्वाली एगलिन्नर्थात्त्वस ४ ॥ गो ॥ गवाविद्युत्तस्यनित्य

उकात्रुविधनार्थं वगानुमे

मान् ॥ लममको ॥ लममक्र ४ ॥ प्रीर्विद्युत्तस्यनित्यमान् ॥ प्रीतिमस्यारु ॥ निधीनिमान् ॥ पमकाधीनस्यारु
 निधीमान् ॥ उकानानुवधवादीया ४ ॥ लममनिधीमनी प्रीतिमनी धीमनि ॥ नदीवद्वपनय ॥ ० ०
 कीमत्वर्थ ॥ नाशामत्वर्थ ० ० कोपयथोरवग ४ वेजयक्रियका का ॥ अस्मिन्नलीनिवेजयक्र ४
 मायास्यारुनिमायिक ४ ॥ कचिदपयथाविदये ॥ पयस्यारुनिपारु ४ ॥ प्रदास्यारुनिपारु ४ ॥ अ
 च्च ४ ॥ वारु ४ ॥ माकीयधधविनी ॥ मकानाक्रादका नापधधविनी पयथोरवग ४ ॥ अस्त्य (धर्म ३ ४) रा
 दीकाटिसोप ४ ॥ उपयय ४ ॥ वउपयय ॥ रवान् ॥ धनी ॥ दृशी ॥ दृशी ॥ दृषद्वनि ॥ वरु ४ ॥ रुमि ४ ॥

० नाभासा

वक्र २

[illegible]

۱۶۴

नृपयथाश्रवणि॥ उचिल४॥ उदनिल४॥ पिचिल४॥ रुनिल४॥ उन्नमदक्रोडन४॥ उन्नमदक्रमदाडन
 पयथाश्रवणि॥ दनुन४॥ पद्मादनाल४॥ कृयाल४॥ निडाल४॥ दयाल४॥ भीनाल४॥ धानादल४॥ धा
 नादप्रंताल४॥ पयथाश्रवणस्यार्थ॥ धानाल४॥ दकुल४॥ विकनाल४॥ च्छमायामेधस्यार्थ
 विन्वकृद्यधनयस्वी॥ मायावी॥ मधावी॥ यशी॥ वावाग्निनि४॥ वाग्नीरमानुवधार्थ४॥ आलाटक
 सिगराविनि॥ कस्मिन्वायस्यसवावास४॥ वावाट४॥ उन्नमदयनिसमाफोकल्यदथदगीया४॥
 उन्नमदयनिसमाफ४॥ सर्वरू४॥ सर्वरूकल्य४॥ यद्द४॥ यद्दगीय४॥ कविदथ४॥ कविदगीय४॥

३॥ नमो नारायणाय ॥ ३

वयाश्वकुवा

३ ठवत्तदयमिनिपुत्यथीरुवति वृद्धिश्च कोनाद्यान् ॥ ३

[illegible][illegible]

यदंकरु निरुवनि ॥ चका नादात्मन यदमपि ॥ नरुह ०० ॥ यनस्मात्पुनस्मयदिना विवकनधा दिवा द
याया अरु ॥ नरुह कत्व विवक्राय पथम प्रवृत्त कवचन रुनिष ०० निरुह ॥ यका न ४ पि का र्था र्थ ४
॥ **धम्यकरु नि** ॥ भगो यप्रययीरुवनि करु विदिन प्र दिषु दिष्य र्थ न प्र ॥ पनन ४ ॥ यको वि
कनरु द काय ना र्थ ४ ॥ गुह ४ ॥ भगो नैत्यरु नस्य ना नि नो गु ॥ एरुवनि ॥ अवा द ४ ॥ नवनि ॥ अथ ०१
विवक्राय र्थ न स ॥ अपि का दि दि ॥ यका न न का दि के व वि का या य प्र य या दि र्थ र्थ रवनि ॥ दि स्य
यसि ॥ कि नि दि नि व य न भगो रु ॥ एरुवनि ॥ प्र स व रु यि ला न दि व व ना इ सि प न रु रवनि न ना

दिवा रु सि गु ह प नि ष ध पि अ य र्थ य नि मि ला रु ॥ एरुव स व ॥ सा वि स र्थ ४ ॥ रुव न ४ ॥ वरु र्थ वि वः
क्राय र्थ रुव अ नि रु नि रि रु ॥ अद ॥ अका न स्य ला पा रु व नि ॥ अका न च का न व य न ॥ रुव नि ॥ रुव सि ॥
रुव थ ४ ॥ रुव थ ४ ॥ आ ना ॥ अका न स्य व का न म का न च अ र्थ रुव नि ॥ रुव नि ॥ रुवा व ४ ॥ रुवा म ४ ॥ रुवा म
धार्मिका रुव नि ॥ र्थ सा धू र्थ व सि ॥ अरु मा ल्म वि रु व मि ॥ ०० ॥ या दि प या रु र्थ ॥ अ व ध ना च प्र वृ व विः
लष ४ ॥ स च र्थ व सा धू र्थ व थ ४ ॥ ॥ वि धि र्थ र्थ व न या ४ ॥ या द् या र्थ ॥ य स् या स् या र्थ ॥ या र्थ ॥ या र्थ ॥ या र्थ
या म ॥ ०० ॥ ०० या र्थ ॥ ०० व न ॥ ०० धा स् ॥ ०० या र्थ ॥ ०० र्थ ॥ ०० य ॥ ०० व हि ॥ ०० म हि ॥ वि धि ४ करु चा र्थ

१४

0

[illegible]

नृपतिरुत्तमश्च

[illegible]

नक्षत्रपदाकेसरी

उक्तप्रस्य

अर्वाह

नपनि अम्व २

उरुनस्यलाथारुवनियकात्रयन ॥ कथानि ॥ कथानी ॥ कथु ॥ कनाउ ॥ कनमादा ॥ कवनी क
 वनु ॥ कना कनमादा ॥ कननी कनन ॥ कनवाणि कनवाव कनवाम ॥ अकनाग अकननी ॥ अक
 वनित्यादि ॥ आत्मनयदपि ॥ कनन कथानि ॥ कवन ॥ कवीन ॥ कवीयागी ॥ कवीनन ॥ कननी ॥
 नी कंननी ॥ कथनी ॥ कवननी ॥ कनध ॥ कवीथी ॥ कनधी ॥ कवी ॥ कनवावरु ॥ कनवामरु ॥ अकनन ॥
 अकवीनी ॥ अकवन ॥ अकनध ॥ अकन्यादि ॥ ॥ उदवधन ॥ उदादन ॥ उदादम ॥ उदपयया
 रुवनिवरुषयन ॥ उदनि ॥ उदन ॥ उदकि ॥ उदन् ॥ उदनी ॥ उदय ॥ उदउ ॥ उदनादा ॥ उदनी ॥

८१

उदन

उदनु ॥ अउदन् ॥ अउदनी ॥ अउदन् ॥ ॥ अयादि ॥ आत्मनयदपि ॥ उदनी ॥ उदन ॥ उदीन् ॥ उदियानी
 उदीनना ॥ उदनी ॥ उदा नी ॥ उदनी ॥ अउदन् ॥ अउदानी ॥ अउदन् ॥ ॥ उकी नउयविनिमय ॥
 नाकाद ॥ काद ॥ नाप्रययारुवनि ॥ उउययन ॥ कीलानि ॥ ॥ रुस ॥ ना ॥ रुस्यका नस्य
 ॥ वीरुवनि दिमिरुसयन ॥ कीलीरु ॥ ना ॥ ना ॥ रुस्यका नस्यलाथारुवनि दिमिरुसयन ॥
 कीलनि ॥ कीलानि ॥ कीलीथ ॥ कीलीथ ॥ कीलानि ॥ कीलीवा ॥ कीलीम ॥ कीलीया ॥ कीलीयागी ॥ कीली
 य ॥ कीलानि ॥ कीलीनादा ॥ कीलीनी ॥ कीलीनी ॥ कीलीनी ॥ कीलीनी ॥ कीलीनी ॥ कीलीनी ॥

धीयकाय

[illegible]

नाना...त्यादि॥ ॥सर्वकर्मविषययापष्टया॥ ॥ननु विरुक्तिरुत्तर्यसर्वधनु कर्मदि॥ ॥पनमा
 धकधनुर्महंयाजिनीयानी॥ ॥अथरावकर्म...यकेयपय्यानिनयन॥ ॥आहुविंकर्मदि॥ ॥अकर्मके
 याउदिरावसकर्मकस्यधकर्म...आत्मनपदरुवति॥ ॥यकर्मनिनयक्रादियामाहुः॥ ॥कर्मका॥
 ॥रुधभ्रासमीरुपरुगय॥ ॥यथाहुः॥ ॥रुधसत्तासि...गिजागयधं...द्विद्विरुयत्यजीविगमनधीम
 यनकीजा...विदीप्यधधनुव...नकर्मविहीना॥ ॥यद्वद्वि॥ ॥धाराविकर्मनि...चयकप
 यथारुवनिचउष्यपर्व...कष्यनम॥ ॥कका...गुह्यपनिषधार्थ॥ ॥रावस्येकत्वादकवचनमस्वति
 र्धधनुगसंनमकर्मकसाहु॥ ॥२

१ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विरुद्धं च न च ॥ पथमप्यनुष्यत् यत् न रुवना ॥ न धर्मधामिकं ॥ अथ न सति हौं भयं न गृहं दानं
कर्म कायिकदा विस् कर्म कर्मास नूतवनि ॥ उपसर्गधध्वत्थं वलादयत्नीयं ॥ विहानाहा
नर्तदा नृपनिहानपहा नवन् ॥ सर्वमनुरय नृत्वा मिना ॥ यत्तु कर्म साधकायां क्रियामाहुः
सकर्मका ॥ कटं ८ क्रियं ॥ त्वं ८ स्वी क्रियं स नागचिना ॥ गो ८ स रथं क्रिया अयं किं ॥ सकानस्य विः
दाद ॥ अरुवपका नृपययय कि वय न रुका ना यव धन धर्मार्थ ॥ न नदी दानि वृत्ति ॥ मृदपाथ
स्यागा ॥ विचर ॥ दृग गोदानमादियं ॥ रु ८ रुव ॥ क्रियं धर्मं नो न ध ॥ ययप नृपुष्यदीर्घा

क्रियं

६३

रुवति ॥ विरुचयन ॥ वृष्टिका श्रीयं ॥ क्रियं नृत्वं वक्र ॥ दाद निशादाद नाका नृत्थका नाद ॥
रुवति द्वि विचयन ॥ विद विद मृदादीय नीधनी ॥ निधियं नृत्वं नृत्वं ॥ रु ८ रुव न ध या वक्षया ॥
मोहमाना मीयं ॥ केले नृत्वं ॥ ॥ संधका नाका ॥ संधका नाका ॥ उनामा र्वरुवति ॥ नपि वि
चय ॥ कायं ॥ मयं ॥ नायं ॥ ॥ नृत्वं नृत्वं ॥ ॥ मयं ॥ अहा कृत्वा गीयं ॥ पापानापीयं ॥
यागनिर्वृत्ति ॥ श्रीयं ॥ कना नृत्वं वा ॥ कना नृत्वं किं वानं लायं ॥ नायं ॥ नृत्वं ॥ ॥ अर्धसियाग
या ॥ अगना विरुचय धका ॥ अका ना नृत्वं सियाग दधु ॥ रुवति ॥ कचिद्वि विचय ॥ अगना ॥

नायतिर नका नृत्वं वाजा ॥ अं का नृत्वं ॥ रुवति ॥ यक्रियं नृत्वं ॥

५८

पयत्र। पचिवायं चिम। आत्मनयदयिलापादिपूर्ववत्॥ पच। पचागापचिना। पचिवायः।
वा। था। पचि। ध। य। च। पचितहा। पचिमह॥ ॥ व॥ पूर्वसंघधिनसकानस्याकानादंभरु
वनि॥ क्रहायू॥ चक्रां॥ निरुिनी॥ धा। ना। निन॥ धा। ना। न। ह। न। स। ना। मि। ना। वृ। धि। र्। व। नि। निः।
नि। नि। नि। च। य। न॥ च। का। न॥ च। क। उ॥ च। क। श॥ च। क। थ॥ च। क। थ॥ च। क॥ च। का। न॥ च। क। न॥ च। क। वा। च। क। म॥
ना। मा। ना। र्क॥ च। का। न॥ आ। त्म। ने। य। दा॥ च। क॥ च। का। न॥ च। कि॥ वा। च। कि॥ ष॥ च। का। थ॥ ॥ ना। मि। न॥ च। उ॥
धं॥ धि॥ र॥ ॥ ना। म्य॥ का॥ धा। ना। न॥ रु॥ न॥ ध॥ का॥ न॥ सें॥ र॥ व॥ रु॥ व॥ नि॥ च। क॥ च। क॥ वा। च। क॥ व॥ रु॥ च। क॥ म॥ ह॥

स्य१चक्रध३

श्रील्ल

असु उ वि॥ आस। आसु४। आस४॥ आसिथा आसथ४॥ आस। आसि। आसिवा। आसिमा॥ कासादिप
 लयादाम् कसरु यन४॥ कासाद धना ४ परया ना च द वा दो आस्य यारुवनि॥ सचक्ष असरु
 यन४ परया कथ४॥ कासु कृत्सायां॥ आका ना साकार्यार्थ४॥ कासीवका। कासीवका॥ कासीवकि
 नी। कासामास॥ कासीवहव॥ च कासु दीफो॥ च कासीवकाना च कासीवक४॥ च कासीव कृनिवा ५५
 दि॥ ॥ जागृनिडा कथ॥ जागनीवकान। जागनीवक४॥ जागनीच ५४॥ जागनामास॥ जाग
 नीवहव॥ ॐ रुद र्भना कनया४॥ ॐ का चक्र॥ ॐ का मास॥ ॐ का चरुवा॥ उह विनर्क॥ उ
 ॥ ५५ चर्क॥ ५५ वरुव॥ विदरुन॥ विदा के कान॥ आसि विद र्भु४॥ विदीवहव॥ १

हा कृ५॥ ॐ आदिकासादय४॥ ॥ मधुना पय्या रुस्य माम् निन्यप न॥ म न॥ ॥ आका नस्य
 नरुवनि कि निठि निचय२॥ ॥ ॐ द्यामात्मन४ स४॥ धा ना विद्यायाम् (थ) आत्मन४ सः
 परुवनि॥ सा च द्विती॥ सा च स्वस च भिनी द्वितीरुवनि॥ पूर्वस्य रुसादि (५५४॥ कृत्साथ४॥ धा
 विरुस॥ किलाय४ स४॥ कासादिप लयादाम् कसरु यन४॥ चिकीर्षा च काना च नाद र्कि४॥
 च नाद र्भुस रुस्य यारुवनि॥ ॥ पूषीया चरुवा॥ ना मौर्य॥ ॐ वासि॥ नात्र४ ॐ द्यायाम् (थ)
 यपय यारुवनि॥ आका नस्य ॐ कान॥ इय च मया काय४ स॥ ॐ अत्र अय४॥ आका नस्य
 चिकीर्षा च क४॥ चिकीर्षा च क४॥ चिकीर्षा मास॥ चिकीर्षा मास४॥ चिकीर्षा मास४॥ चिकीर्षा वरुव॥ चिकीर्षा वरु

वदु विचिकीर्षा वरुव॥ ३

5

0

5

0

5

10

15

20

25

乙卯

नृधामा४

नया॥ विरनाञ्चकान। वरानावयउ॥ वयुनित्यादि। पूर्वस्मरुसादि॥ ८॥ म॥ ८॥ जिङ
याञ्चकान। जिङय॥ जिङियउ॥ जिङिय॥ जिङयिथा। जिङथा॥ ९॥ सादि। जिङयास्यना
कयाञ्चि॥ १॥ सयस्ययनवादीचयनडर्वागिनिनाद॥ १॥ रवनि॥ जिगय॥ जिग्यउ॥ जि
ग्य॥ जिगयिथा। जिगथा। जिग्यथ॥ १॥ जिग्य॥ जिगय॥ जिगय॥ जिग्यव। जिग्यमधवेनित्यायकवयान
त्यका॥ लपिनोदिद्विक्य॥ सुकहकिनविललाय॥ लयराय॥ १॥ विलपिथा। विललपु। नाईक
लिंग॥ १॥ गमागमीखनागसूरुनऊनखनधस॥ १॥ सगर्वा। उपधायाञ्चकनित्यायरावनिस्व॥

॥१॥ ददधुशददभयोददिवादादिमा॥१॥

मसा नृवपा ४॥ कृष्ण ४॥ धामा न्नामिन ४॥ रुद्रावा ॥ नानार्थाव ४॥ स्यागपृष्ठस्यानक स न स्य धामा
नृवर्षस्य अनयि विषयस्य न प न व कानान रव नि कि रुड वा द ॥ र व नि ॥ रुद्रव ४॥ रुद्रव ४॥
॥ रुद्राथा रुद्रविधा रुद्रविवा रुद्रविम ॥ यज देव पूजा सी ग नि क न ॥ दान न ॥ अका न ४॥ च नि
न उ र य प थार्थ ४॥ य ज न ॥ नि स्मि न ॥ द्वि व च ना दि ॥ धवा दोष पूर्व स्या ॥ धवा दोष न य दा दी ना
गहा दी ना व पूर्व स्य स प सा न धा र व नि ॥ य का न स्य ०० कान ४॥ स ०० या ज ज ना ई नी ॥ य जी य
व ना ती नृ ४॥ स प सा न धा कि नि ॥ य ज व च स्व प व र व ०० य ०० व य व द व सा य का न

वका न न लघां शृङ्ग ॥ ॐ कान उ काना का शरु व नि कि किय न ॥ क व संपसा न धी संपसा न व नि ॥ स
स न स्य संपसा न धी ॥ ऊ स्य स्य ऊ स्य दी र्घ स्य दी र्घी ॥ स व ऊ दी र्घ ॥ सहा ॥ ॐ ऊ ३ ४ ॐ ऊ ४ ॥ ॐ य जि
था ॥ क स य ना जा ४ ४ ४ ॥ श्रु ति ४ ४ ४ ॥ ॐ य ऊ ॐ ऊ ४ ४ ॥ ॐ ऊ ४ ॥ ॐ या जा ॐ जि वा ॐ जि मा ॥ आ न
न य द पि ॥ ॐ ऊ ४ ॐ ऊ ४ ४ ॥ ॐ जि वा ॐ जि ष ॥ ॐ जा था ॐ जि धि ॥ ॐ ऊ ४ ॐ जि व रु ॥ ॐ जि म
ह ॥ ॐ सा दि ॥ व न प नि रा य (धा) ॥ उ वा च ॥ उ च उ ४ ॥ उ च ४ ॥ उ व चि थ ॥ उ व रु ॥ उ व थ ४ ॥ उ च ॥ उ वा
च ॥ उ व च ॥ उ चि व ॥ उ चि मा ॥ क र य क र य वा चि ॥ क र य व चि व ध पि ॥ क र य ध ग र्वा चि ना द

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ टि। ॐ उरु नस्य सत्ता पारवानो॥ ॐ टियना दीर्घत्वा अनावीन॥ अनाविषी॥ अनाविषा अनावी॥
 अनाविषी अनाविषा अनाविषी अनाविषा अनाविषा॥ मसा॥ मसा इरु नस्य सत्ता पारवानो मसय
 न॥ वृध अ वगमन॥ मरुजवा॥ गत्थ ४४ अ वृद्धा आदिजवानी॥ खसचपा॥ अ उरुसा नी अ उत्स
 अ वृद्धा॥ अ उत्साथी॥ अ वृद्धा अ उत्सि॥ अ उत्सदि॥ अ उत्सदि॥ ॐ त्यादि॥ अ पचषपाका॥ वा ४४॥
 अ पका॥ किना स्य ४४॥ अ पका नी॥ अ पका न अ पका॥ अ पकाथी॥ मरुजवा॥ अ पका॥ अ पका॥ अ पका॥
 कदि॥ अ पका॥ अ पचषपाका॥ रूग सि॥ स॥ धमा नीमिन॥ अया की न अया की॥ अया की॥ अ

मामनपदत्रा

सत्रेविकीरणी गभाधनं

द्वपुर्वीजर्तना॥ अवासी॥ अवासी॥ मसा॥ अवासी॥

वहपापन

पाकी॥ अया की॥ अया की॥ पदकी॥ आया॥ ॐ पत्थ ४४॥ ममनाजा ४४॥ मरुजवा॥ अवा की॥ मसा॥
 हाट॥ गत्थ ४४॥ अरि ४४॥ अरि ४४॥ अरि ४४॥ अरि ४४॥ अरि ४४॥ अरि ४४॥ अरि ४४॥ अरि ४४॥
 मरुजवा॥ अवा की॥ अवा की॥ अवा की॥ अवा की॥ अवा की॥ अवा की॥ अवा की॥ अवा की॥
 किं॥ अ वृद्धो॥ मिसा नीसीयपा मि॥ अ धिषा॥ अ धिषा नी॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥
 अ मयिषा॥ अ मयिषा नी॥ अ मयिषा॥ ॐ निमावा॥ ॐ निमावा नी॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥
 नयवा ४४॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥ अ धिषा॥

सिद्धसाधनं अक्षिपत् ॥ प्रयोगतथाप्रयोगवर्णनविशालाख्यकालः रक्तकालः रक्तकालः रक्तकालः रक्तकालः रक्तकालः

साधभाउमसहस्रैरुकीनाममाणा॥४॥ ६५

[illegible]

102

श्रुधानि श्रुताणि

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

कानलाय॥ कहां धुनि निमि स कान॥ मयानी ज वन्या ॐ निमि कान स्य ज कान ॥ यदिस निगु व॥
जघ्नीय न जघ्नीय न॥ जघ्नीय नी॥ अजघ्नीय न॥ जमज ल्यय का सी वा वि॥ जंजय न जंजय न॥ जंजय
नी॥ अजंजय न॥ जंजल्य न॥ जंजल्य न॥ जंजल्य नी॥ अजंजल्य न॥ देह रस्मी कन ल॥ देदय न॥ देदय
न॥ दंदय न॥ अदंदय न॥ जंजय न॥ जंजय न॥ जंजय नी॥ अजंजय न॥ देदय न॥ देदय न॥ ना लाय॥ धा
ना नय धा यान कान स्य ला यार वकि॥ कि निरु सय न॥ दंदय न॥ दंदय न॥ देदय नी॥ अदंदय न॥ मभय
॥ रंजय न॥ अमद न॥ वंरं य न॥ वंरं य नी॥ अवंरं य न॥ मरुद नी॥ नृवीरय न॥ नृनी मय वि

五

क्रया॥ नीका न० दीदित्कार्थः ॥ दिवचनी न० पूर्वसंबंधिना ॥ नीगुगुयधस्य ॥ दयधस्य ॥ नीयथिदिय ॥
 पूर्वनीगगभागवति ॥ ननीनृयकनठकधाननीनृयकाननीनृयनी ॥ अननीनृयक ॥ वृशुवरुनाव
 नीनृयक ॥ वारुसिचिरु ॥ वनीनृयक ॥ वनीनृयनी ॥ अवनीनृयक ॥ यदसंसर्धसर्वसूच्यं ॥ क ॥ यक ॥
 दापूर्वस्यनीगगभागवक ॥ यदिसागि ॥ यदगनी ॥ पनीयय ॥ यनीयय ॥ यनीयनी ॥ अपनीयय ॥ नाना
 यथासंसर्धसूच्य ॥ यननीयस्य ॥ अननीयस्य ॥ ननीयस्य ॥ ननीयस्य ॥ दनीयस्य ॥ दनीय
 स्येनादनीयस्य ॥ अदनीयस्य ॥ वीयगनी ॥ वनीवचन ॥ वनीवचन ॥ वनीवचनी ॥ अवनीवच

पञ्चहिंसायां ॥ पंचपञ्चन

१०६

न ॥ अ० अ० अ० ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ अवनीयस्य ॥ क ॥ गगनि ॥ गगनया ॥ क
 हा ॥ अ० अ० ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ अवनीयस्य ॥ प ॥ ययगना ॥ यनीयय ॥ स्कदि
 नगनि ॥ अ० अ० ॥ अवनीयस्य ॥ अवनीयस्य ॥ अवनीयस्य ॥ अवनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥
 वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥
 वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥
 वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥
 वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥
 वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥ वनीयस्य ॥

ब्रूयांतोरिति उव

[illegible][illegible]

[illegible]

१। चिनाम ॥ मनारौ वा किर्त्तन कव्य ४ ॥

निविचीषणि॥चिकीषणि॥०॥निवृयद्वयं॥विचीषन्॥विचीषउ॥अविचीषन्॥वि कीषणि॥अ
 न००॥जिज्यासपनाकयाऊणि॥समस्ययद्यवादीवयवऊधंगानिनाद॥अरुवनि॥जिगी
 षणि॥जिगीषन्॥जिगीषउ॥अजिगीषन्॥यमिष॥६॥यूयूषणि॥यूयूषन्॥ययूषउ॥अयूयू
 षन्॥रुदाना॥रुक्कषणि॥रुक्कषन्॥रुक्कषउ॥अरुक्कषन्॥चूमद॥चूचूषणि॥चूचूषन्॥चूचूषउ॥
 अचूचूषन्॥य००॥०॥अचूचय०॥अकान००॥का००॥रुवनि॥सप०॥सानसतीप००॥कथ००॥ता००॥
 विरु०॥००॥अधयन०॥००॥गम०॥००॥छा०॥गामा०॥द०॥अरुवनि॥सप०॥अधिपूर्व०॥क०॥य०॥०॥

पचपाक १ गुह्ययुक्त्या (धर्मन्याय) १

अभिजिगमसमि स एतया द न्यययुक्त्या (धर्मन्याय) १ गुह्ययुक्त्या ॥ अथ भानेन व निरुक्त न का ४ नय ४ पा
कमी ४ नी निपा कस्य वा धन्यं न विष्ठा या का ४ संव भयं युक्ति ॥ का ४ नयि य क्रु मि ॥ पि य क्रु मि ॥ पि य क्रु
उ ॥ अ पि य क्रु ॥ पा यान ॥ पि य स मि ॥ पि य स ॥ पि य स उ ॥ अ पि य स ॥ स ॥ अ व या ता नो ॥ पूर्व स्थि ह सा
नी दि ४ (अथ ४) ॥ वा ४ ४ ॥ द व द रु ४ ॥ द न्य व नि गु (धन ॥ गु ॥ नि य उ ॥ अ व का ४ व अ पि य ४ नानि ११४
गु ॥ नि उ ॥ अ व ४ ॥ कि ला ४ स ॥ र व स व या ॥ क स सं या (ग ४ ॥ य ४ स ॥ नि य क्रु मि ॥ नि य क्रु ॥
नि य क्रु उ ॥ अ नि य क्रु ॥ व व प नि रा म (ध ॥ वि व क्रु मि ॥ वि व क्रु ॥ वि व क्रु उ ॥ अ वि व क्रु ॥ य

२: १ य मे

वी र्प क ॥ पि य क्रु मि ॥ पि य क्रु ॥ पि य क्रु उ ॥ अ पि य क्रु ॥ ० ॥ अदि ॥ अ उ पा दान ॥ अ हा कि नि वा ॥ अदि
ज वा नी म स न स्य म हा (ध ४ ॥ हो ४ ॥ अ ४ ॥ क ४ स ॥ अ पि य क्रु मि ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु उ ॥ अ पि य क्रु ॥
अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥
हि सा ग रा ४ ॥ ह ४ ॥ सा नि ॥ ह ४ ॥ अ ४ ॥ स का ॥ अ पि य क्रु मि ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥
॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥
नि पि य क्रु मि ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥ अ पि य क्रु ॥

^{प्रा} नृपमित्तनी। ^{कारस्या} मृषमित्तन॥ इलरुषपायो॥ इकावषकात्रकार्या॥ र्धैरंकात्रज्जलनयदार्थ॥ लरुसग००॥
 मिहिरु॥ खसेचयामसानामिहिरुकात्रस्ययकात्र॥ ००॥ सा॥ ००॥ साद॥ ००॥ पूर्वस्यचलाय॥ ००॥ मिहिरु
 लरुस्यलकात्रस्यलाय॥ स्कात्राया॥ स्यागाया॥ ००॥ मिसकात्रलाय॥ लिप्सु॥ लिप्सुनी॥ अलिः
 सग॥ अरुवारु॥ नीधु॥ लिप्सु॥ लिप्सुनी॥ अलिप्सु॥ यडुयकन॥ यटावट॥ यनी॥ ००॥ मिसकात्रस्यवा
 ००॥ उगमारुवनि॥ यिपनिषनि॥ यिपनिषन॥ यिपनिषनि॥ यिपसुनि॥ यिपसुन॥ यिपसुनि॥
 यिपसु॥ यिपसु॥ अयिपसु॥ ००॥ सादि॥ आसुयायो॥ आनानवी॥ आनानवी॥ ००॥ नस्य॥

११५

अद॥ मारुवनिमयनद्विचि॥ लायधुपूर्वस्यचयकात्रस्यलाय॥ ००॥ मिस॥ ००॥ मिस॥ ००॥ मिस॥
 मिस॥ ००॥ सादि॥ अमारुकन॥ अमारुनायावा॥ अमारुनी॥ निशुयाम॥ थिवामनायपययारु॥
 वनि॥ अमारुनायनि॥ अमारुनाय॥ अमारुनाय॥ अमारुनाय॥ ००॥ सादि॥ अमारु॥ ००॥ स्वनाद॥ ००॥
 य००॥ मीकात्र॥ सिसगा॥ सिस्यामि॥ ००॥ मि॥ ००॥ उगमारुवनि॥ अमिडुमिडुनि॥ अमिमिषनि॥ अ
 मिमिषु॥ अमिमिषु॥ अमिमिषु॥ ००॥ यल॥ यन॥ यन॥ ००॥ य॥ ००॥ य॥ ००॥ य॥ ००॥ य॥ ००॥
 ययारुवनि॥ मिसमिष॥ मीदि॥ अरुवनि॥ इ००॥ मिस॥ इ००॥ मिस॥ इ००॥ मिस॥ इ००॥ मिस॥

मिष ३

गी

ਅਖੀਰ ੧

990

भोवर्मा। अनीर्मासुग्राएपू नरु (६॥ आय४। गुपादिरुप्रायपरायारुवनिस्वा। र्थ। गमपायन
 (गमपायन॥ गमपायनी। अगमपायन॥ नर्वधूयसं नाप॥ धूपायनि। धूपायन॥ धूपायड॥ अधू
 पायन॥ उरुययदी॥ विष्णुगमा॥ विष्ठायनि। विष्ठायन॥ विष्ठायड॥ अविष्ठायन॥ पक्षय
 वहा न्मुनीयनच॥ पक्षयनि। पक्षयन॥ पक्षयड॥ अयनायन॥ उरुययदी॥ यनायन॥ यना
 यशायनायनी। अयनायन॥ नाभायनी वास्य॥ नाभ० द्वायाम (र्थयपरायारुवनि नरुनिः
 या। वाका नस्यनी का नाद (६॥ रवनि। अशशमसं वशिनी राधर्क आत्न ४ पूनमिदु मि॥ पूनीयति

जिह्वा॥ ममिनिपुं निस्त्रिणि। अन्यप्रकृति। गुण॥ श्रुयादम॥ श्रुभसयनि। श्रुभसयन। श्रु
 न्मसयउ। श्रुभसयन॥ ॐ स्यादि। हनहिंसागखा॥ हनर्घ॥ हनर्धर्मागर्घदाद। मरुवनि।
 हि॥ हिनिगर्धवर्जि॥ घानयनि॥ घानय॥ घानयउ। श्रुघानयन॥ षट्विंशतगखवसादनषू॥ सद॥
 म॥ सदर्धर्मा॥ मनाद। मरुवनि। मगयनि। मगय॥ मगयउ। श्रुमगयन॥ मकुमन॥ म॥
 द॥ म॥ मदर्धर्मा॥ मनाद। मरुवनि। मगयनि। मगय॥ मगयउ। श्रुमगयन॥ नामो।
 क॥ मगनाविल्यस्यधनानाकानाकस्यव। नसेयप्रमगमोवनि। श्रुदा। उदान॥ दाययनि। दाय

११२

यय॥ दाययउ। श्रुदाययन॥ मगनिनिर्दोस्यनिपुं निस्त्रिणि॥ नामो।
 नि॥ धनाप्रन॥ निस्त्रिपुण्य॥ गुण॥ श्रुयादम॥ श्रुययनि। श्रुययन॥ श्रुययउ। श्रुययन॥
 यन॥ यापय॥ यापयनि। यापय॥ यापयउ। श्रुयापयन॥ मगनी॥ गुण॥ श्रुययनि
 श्रुययन॥ श्रुययउ॥ श्रुययन॥ ॐ हनुधयन॥ ॐ हनुधयन॥ ॐ हनुधयन॥ ॐ हनुधयन॥
 धपसर्गनानव्यहिवन॥ श्रुमिधु॥ ॐ डनमिनि॥ ॐ डनदीनीप॥ ॐ वरुस्यम॥ धाग
 ॥ ॐ धागनामिन॥ श्रुययन॥ नामो। श्रुययन॥ श्रुययन॥ श्रुययन॥ श्रुययन॥

(अनृद्विषा॥ अमो धर्मिर्नमार्गं (अ) अहं पश्यथारुवनि॥ दिवा दोष न ४॥ स नय वाद ४॥ धनार्दि
 वचनी॥ अिपुस्ययं ४॥ दिवा दावद॥ अि कवधसामथ्या स्या फोपिउ (अ) निवर्तुनि॥ अचूचुनिअ
 दिपं निमिर्न॥ (अ) ४॥ किदिमिचयने (अ) सौपारुवनि॥ लघादी घं ४॥ अहिसनिपूर्वसंवन्धिना
 लघादी घं निवनि॥ अचूचुना अचूचुनमी अचूचुनना अचूचुनं ४॥ अचूचुननं अचूचुनना अचूचुना १२१
 वा अचूचुनाम॥ विदलना अवी विदल॥ अवी विदनी अवी विदन॥ इह पृथुन (अ) अहइहना अ
 हिलघो कस्य उपधया ४॥ अहिसनिपूर्वसंवन्धिना अका चस्थका नरुवनि लघोप न उपधया

कस्य अ॥ इपचययाक॥ अिपुस्यय ४॥ अग उपधया वृद्धि ४॥ दिवा दावन्॥ अयाचि निमिर्न॥ (अ) न
 हृद्विषा॥ अस्व ४॥ अि निमिर्निलाय ४॥ अपीपचन्॥ अपीप ०॥ अजीजनन्॥ पदगमो॥ अनिपूर्व ४॥ प
 लपीपदन॥ घन चर्या॥ अहिद्विर्वचनकन॥ कलुथ ४॥ मयानीत्रवचया ४॥ (अ) निमिर्निलाय ४
 ॥ अजीघटन्॥ नमग ४॥ अकाना भा धनार्दि अहं नरुवनि॥ (अ) कगमो अिपुस्यय ४॥ अहृद्विर्न॥ दिवा
 दावन्॥ पूर्वस्य हसादि (अ) ४॥ अस्व ४॥ अस्वाद (अ) संधक नाधामामिकाना कानोर्वकयो॥ मयानीत्र
 वचया ४॥ अहृधोकन॥ अहृटोकन॥ अहृटोकन॥ अहृटोकन॥ अहृटोकन॥ अहृटोकन॥ अहृटोकन॥ अहृटोकन॥ अहृटोकन॥

[illegible][illegible]

हनुमत्सायं गुरु गुरु गुरु गुरु

२ रुनिष्ठानि। गमिष्ठानि। सरिष्ठानि। असरिष्ठानि। द्योतविष्ठानि। स्वप्

दिवाकर्यः जायम १

[illegible]

726

पूर्वभागाश्च मादंभाख्यति ४

[illegible]

सायस्त्रयदरुणां॥२

वा

सामोदीयः ३

[illegible]

१२१

हृन् हिंसा

प्रक्रि१

[illegible]

२ विदधातो रंङः वा नञ्ङागमारुवन्ति ॥

۱۲۶

दिव्योत्सवः

ॐ का ग्रन्थ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

۱۳۱

[illegible]

॥ रुसराया ॥ वृषपुत्रय ॥ धका ना वृद्धार्थ ॥ युवान ना को ॥ आवाद ॥ रुवगीति तावयगीति ॥
 वक ॥ लु ॥ उ ॥ दना ॥ लना तिसा वयति वा सावक ॥ पू ॥ उपवना ॥ पुना तिसा वयति पावक ॥
 ०० ॥ लादि ॥ क्रिययुत्र ॥ नाम्यपधा ॥ क ॥ नाम्यपधा द्वागा ॥ कयत्यया तवति ॥ कका ॥ म ॥
 धपतिषधार्थ ॥ क्रियगी क्रिय ॥ सिदि न विदा न ॥ सि न ली तिसिद ॥ द्विदि नू द्विधी कन ॥
 ॥ द्वि न तिसिद ॥ ला ॥ अ व वा धना ॥ आता न पी ला का न ली प ॥ जाना न म्ध क ॥ स ॥ ज्ञाना तीति
 स ॥ ॥ पृ ॥ क गृ ॥ मग ॥ ०० ॥ किन ॥ गिन ॥ पिन ॥ पचिर्नादि गृह द न युधिनि ॥ पवाद

१३३

न्रयादश्च गृह द न युधिनि ०० ॥ यथार्थ ॥ धका ना वृद्धार्थ ॥ अयुष्य ॥ पच व
 प ॥ वद ॥ पन ॥ नद ॥ तप ॥ लव ॥ नन ॥ नव ॥ गुं नम ॥ नरु ॥ नसूद ॥ दव ॥ सव ॥ सधका ॥ पम ॥ यन ॥ रू ॥ वधासः
 पं ॥ जान ॥ नरु ॥ सय ॥ ०० ॥ लादि पचादय ॥ श्य ॥ वषपा क ॥ पच तीति पच ॥ विद ॥ लाना ॥ वगीति विद
 ॥ वद ॥ व्य ॥ कार्या वा चि ॥ वदगीति वद ॥ दिवू की जयी ॥ दी व्य तीति दव ॥ स ॥ वृस ॥ वाया ॥ सवगी
 ति सव ॥ दून ॥ दिस ॥ वृद्धो ॥ नदि वा सि ॥ नादि ॥ इ ॥ सि ॥ सा ॥ धि ॥ वधि ॥ ॥ ला ॥ ति ॥ ना ॥ वि ॥ ला ॥ दया ॥ न ॥ आ ॥ द्य
 शय ॥ पु ॥ सय ॥ युवान ना को ॥ ०० ॥ दिना नम् ॥ ०० ॥ दिना धानी नमागमी ॥ रुवगीति ॥ न ॥ दय ॥ तीति न ॥

न॥ नमः कीर्तयामि ॥ नमः ॐ नमः नमः ॥ वाम कमलस्य ॥ वाम नीति वाम नमः ॥ कम नीति कम नमः ॥
 अर्द्धमर्द्ध अर्द्ध नमः ॥ अर्द्धमर्द्ध नीति नमः ॥ मर्द्ध नीति मर्द्ध नमः ॥ मर्द्धमर्द्ध नीति मर्द्ध नमः ॥ इष्ट ॥ ४ साः
 धन ॥ ८ गारु नमः ॥ गय नीति मर्द्ध नमः ॥ अर्द्ध नमः ॥ दर्द्ध ॥ १॥ नमः ॥ नीति ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 यवा नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥
 का नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥
 ही ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥ नीति नमः ॥

738

॥ वनमनि रुद्रधयाशा विवननी निविचानी ॥ दम्भदधमीश मप्रत्ययारुवनि ॥
मका नशगिको यार्थिशा मिनिव उर्वर ॥ मिनिपल्ययपत्र वडसूतिवादिष्य लोयमुक्कं नरुः
वनि ॥ उत्तयधामश ॥ उत्तयश्च नीनि ॥ उत्तयश्च ॥ धनपात्र ॥ धयतीनि ॥ धय ॥ धामद्वानिसैया
गया ॥ धामादम ॥ उद्धमनीनि उद्धम ॥ पापाना ॥ इत्यिव ॥ ध्यागी धमादा ना ॥ उज्जिय ॥ ग
वीर्य प्र० रूप धयालोप ॥ रुनाद्य ॥ गरुडिका ॥ गच्छ ॥ कृत्स्न ॥ मन्वादम् ॥ विदु सारु ॥ भंविच
नीनि ॥ गविन्द ॥ कलादन ॥ रुनादधामी शुपल्ययारुवनि ॥ एका गोवृद्धार्थ ॥ कालदीप्ता ॥

॥ टका नमः वर्यः ॥ अथ यय सर्वधुसाधु नमः ॥ टका नमः यय लुच नमः ॥ ६॥ कंक नी नी नि ॥ कंक नी
नी क नी ॥ यय ४४ क नी नी नि यस्क नी विद्या ॥ द्रविदा न ॥ पूर्वादा न य नी नि पू न द न ॥ यम नियम न ॥ वा
र्यम य नी नि वा र्यम ॥ सर्व सरु नी नि सर्व सरु ॥ द्विर्नय नी नि द्विर्नय ॥ भर्तृ नय नी नि भर्तृ नय ॥
॥ द्रविदा न ॥ रगंदा न य नी नि रगंदा न ॥ रास्क न ॥ दिवाक न ॥ प्रहाक न ॥ लिपिंक न ॥ ०० सादि १३५
॥ ०० रव र्वि ॥ धम न मि का य स नि ०० र्व ०० य न प ल य ग र व नि ॥ र्वीक नी नी नि र्वीक नी नि र्वीक
रु नि ॥ आ पु या फे ॥ द व ना फे नि द वा पि ॥ वा ना पि ॥ र्वि नि य द स्य ॥ र्वि नि प ल य य न पू र्व य द स्य म

मागमीरवनि॥कर्मकानीनिकर्म कन॥प्रियंवदतीनिप्रियंवद॥आत्मानिविरलीनि॥आत्म
रति॥उदनीविरलीनिउदनीरनी॥कृकिंरने॥उजांखन्॥उदकयनं॥एदीनीरवठपत्य
या रवनि॥खका नाममागमार्थ॥बका नधुवकायार्थ॥उदिकयन॥ऊनीउजतीनिऊन
मऊय॥गिऊय॥धनीऊयतीनिधनीऊय॥पीऊनमात्मानमन्यनपडिनीमन्य॥दिवायर्थ॥
॥खूटूकन॥कन॥धर्थखूटूपत्यया रवनि॥खका नाममागमार्थ॥यूवावनाकी॥यूव
॥त्यनया॥पत्ययावधनूक॥त्यतावाद॥ओरवग॥अन॥रनननः कियनइनननिनन

॥ अ३ अना३ उ३ अ३ रु३ व३ नि३ उ३ अ३ नो३ ता३ व३ ॥ अ३ व३ क३ चि३ व३ क३ य३ ॥ अ३ इ३ र३ व३ इ३ र३ व३ क३ ना३ ति३ इ३ र३ वा३ क३
 ना३ ति३ ॥ अ३ ना३ म३ नि३ प३ क३ नि३ व३ नि३ य३ ॥ अ३ का३ ना३ म३ ध३ ना३ म३ नि३ य३ क३ नि३ व३ नि३ य३ ॥ ॐ ह्य३ न३ प३ य३ या३ र३
 व३ नि३ क३ रु३ नि३ ॥ ॐ का३ न३ य३ का३ व३ उ३ वी३ न३ ध३ अ३ र्थ३ ॥ स३ इ३ द३ दा३ नी३ नि३ स३ दा३ मा३ ॥ ना३ य३ ध३ या३ दी३ र्घ३ ॥ ना३ ध्राः
 ला३ प३ आ३ धो३ ॥ ना३ न३ न३ ग३ द३ व३ य३ क्रि३ या३ ॥ स्त्री३ मी३ ॥ स्त्र३ पा३ ग३ म३ दी३ ना३ मी३ र३ व३ नि३ कि३ नि३ य३ च३ ॥ न३ का३ पि३ ॥ १३८
 स३ इ३ पी३ व३ नी३ नि३ स३ पी३ वा३ ॥ रु३ नि३ द३ दा३ नी३ नि३ स३ दा३ ॥ क३ वि३ द३ न३ य३ या३ पि३ द३ अ३ न३ ॥ स३ इ३ क३ वा३ नी३ नि३ स३ क३ म३
 ॥ उ३ क३ पु३ य३ य३ ॥ उ३ नी३ ति३ ॥ वा३ ॥ मृ३ य३ व३ धा३ ॥ गु३ य३ ॥ ना३ य३ ध३ या३ दी३ र्घ३ ॥ मृ३ धा३ नी३ नि३ म३ धी३ ॥ ॐ य३

१ पि॒ नि॒ क॒ नि॒ उ॒ क॒ ॥

दि॒ ॥ कि॒ ॥ स॒ र्ब॒ धा॒ उ॒ य॒ ॥ वि॒ प्र॒ य॒ या॒ र॒ व॒ नि॒ ॥ इ॒ स॒ य॒ यो॒ पि॒ नि॒ क॒ नि॒ य॒ ने॒ इ॒ स॒ य॒ उ॒ गा॒ ग॒ मा॒ र॒ व॒ नि॒
 क्रि॒ ॥ स॒ र्वा॒ य॒ रा॒ वी॒ लो॒ प॒ ॥ क॒ र्म॒ क॒ नी॒ नी॒ कि॒ क॒ र्म॒ क॒ ना॒ ॥ अ॒ रि॒ चि॒ ना॒ नी॒ नि॒ अ॒ पि॒ वि॒ ॥ द॒ वा॒ न॒ मो॒ ती॒
 नि॒ द॒ व॒ न॒ ॥ सा॒ र्म॒ पी॒ व॒ नी॒ नि॒ सी॒ म॒ पा॒ ॥ दी॒ र्घ॒ त्वा॒ न॒ उ॒ क॒ ॥ स॒ र्ब॒ य॒ ये॒ नी॒ नि॒ स॒ र्ब॒ द॒ क॒ ॥ दि॒ धा॒ नि॒ नि॒ क॒
 त्वी॒ ॥ यि॒ इ॒ र्ध॒ वा॒ या॒ ॥ स॒ र्प॒ र्ध॒ ॥ प॒ द॒ दी॒ र्घ॒ त्वा॒ व॒ व॒ क॒ या॒ ॥ प्र॒ द॒ र्श॒ ना॒ या॒ कि॒ ॥ इ॒ स॒ य॒ ना॒ जा॒ दी॒ ना॒ य॒ र्ध॒
 ॥ या॒ उ॒ ॥ न॒ त्वं॒ प॒ द॒ नी॒ नि॒ न॒ त्वं॒ प्रा॒ व॒ व॒ प॒ नि॒ रा॒ ष॒ ॥ व॒ व॒ न॒ वा॒ क॒ न॒ ह॒ व॒ ध॒ न॒ ॥ कि॒ पि॒ य॒ ने॒ न॒ द॒
 या॒ प॒ स॒ र्म॒ य॒ दी॒ र्घ॒ ना॒ व॒ व॒ क॒ या॒ ॥ न॒ हा॒ ॥ उ॒ प॒ स॒ मी॒ य॒ न॒ श॒ न॒ ॥ नि॒ उ॒ पा॒ न॒ ॥ व॒ का॒ ना॒ ॥ व॒ ष॒ म॒

ॐ काया मात्मनस

किंवंचने॥ पावृट्॥ म म विरु॥ कटं विकीर्षणी नि कटं विकी॥ सन॥ ॐ ॥ स्याम नस्य लाप॥
धाविहस्य॥ निरीर्ष॥ सपस्यय॥ ध्वचि नाया॥ ध्यायन॥ किपि सपसान॥ सुसु ध्यायनी नि
सुधी॥ इ॥ अक्षरु सको जायमान कार्या॥ इ॥ अर्धा ना॥ ट क सको प्रस्य यो रुव न॥ उपमान कार्या॥
व काना नृकिप्॥ आरु र्वादि॥ ॥ नृष्य स्य यप्प नृष्य र्वादि॥ पूर्वस्या र्वा रवनि॥ नृ-अन्वदः
अन॥ ॐ निमू-आदक्॥ नृ-आद क॥ नृ-आदक्॥ ट प्रस्यय॥ नृ-आदमी॥ गद्वन्वदः अन॥ ॐ निमाद
म॥ गादक॥ गादक्॥ गादमी॥ नृह निवदः अन॥ ॐ निमादम॥ मादक॥ मादक्॥ दिम

१२२

मिनि कर्त्त॥ दानव भ्रवादीप् नदमी॥ नृ-आदमी॥ किमिदम॥ कीमो॥ किमम दस्य ॐ दसु मः
दस्य चकी ॐ मे ॐ स्यता वादः ॐ रुव न॥ क ॐ वदः अन॥ ॐ निकीदम॥ कीदक॥ कीदक्॥ कीद
मी॥ नृयमिवदः अन॥ ॐ दम॥ ॐ दक॥ ॐ दमी वार्ता॥ रुवदा दिषु दः ॐ विधनाथी॥ ट
का दीर्घ नाच वक्रया॥ रुवानिवदः अन॥ रुवादः ॥ रुवादक॥ रुवादक॥ स दक॥ स दम॥ स द
क॥ विनिवनी न काले भील चकिप्प वनिप्प ॐ स्य नृष्य या वरे कि॥ वदः ॐ वदः ॐ वदः
नि॥ व ॐ रुव नृ ॐ नि वृत्तहा॥ यजनी नियक्ता॥ प्र-उपाधि प्रमवा॥ वनिप॥ पित्रा रुक्॥ किवा

३५ या ४

धातो रतीते काले शीले च णिनि प्रत्ययो भवति॥ इनां शौ सो॥ अग्निष्टोमे नयसुं शीलं अस्पति अग्निष्टोम याजी उभोत्री॥ किप्प वनि

पडाः॥ धातो रतीते॥ २

रुवनि॥सूक्त॥कसुका नो धाव वृ॥धागो कसुका नो पत्यो रुवना गीत काला॥मो वनपुत्रं किं
 वरुव न॥धवादिह वा द्विर्वचनी॥नड वृष्टादि॥यथ नप्य वस्त्रे पद तथा कस॥यथा आत्म नय
 द न तथा कान॥क काना गुणपतिष्वर्थ॥दितिर विदाम॥उक्तानां नृचि धनार्थ॥विना
 नृम॥संयोगा नृस्य लोप॥हस्य ४ स लोपि॥विरिहान्॥विवदन्ति विद्वान्॥दृष्ट क न॥
 ॥कस्य प्रत्यय धादिर्ल॥वल्क व॥कृताश्च॥विगानृम्॥हस्य ४ स लोपि॥संयोगा नृस्य लोप
 ॥वृकवान्॥वकान् ल्यर्थवृकाद्य॥कान् प्रत्यय॥जघानन्ति जघिवा॥जगम्वान्॥य

१८३

दर्शिवान्॥ददन्वान्॥विविधान्॥मरुमानोति न वरु क्रियायी॥क्रियापदगम्यमान मरुमानो पत्यो रुव न॥
 मोचनिपु न वरु॥निप वस्त्रे पदात्मानपदयार्थवनि॥प व नृ ल॥निलिना॥अप क र्त्तु नि॥आद॥ल्य क
 न॥लोप॥नामसंज्ञायीत्यादिविरुक्ति॥विगानृम्॥हस्य ४ स लोप॥प व नृ म्॥प व नृ म्॥प ०
 लिष्ठ नि॥गेम न॥मय नृ ग द्वा॥मृग न॥मृका नृस्य प्रिय नृ मृग गम्य रुव नि॥प व न॥निप व मा
 न॥प ० निप ० नृ यज मान॥स्कोति॥ननाद नृ प॥मन न॥निम न्वान॥आसं नान॥आसं नान॥
 व्य नृ स्या न स्या का नृ स्य॥का वाद॥मरुव नि॥आसं॥नि आसी न॥वादीर्षा॥४३॥मृव नृ स्य न

मरुतपवमने

988

निग्रुनित्वाभट्ट १

^{१७ मन हील ४ अमि ४॥}
 नदी नील ^{पुनवन नील ४ अमि ४॥} निनाक विह ४॥ याजन नील ४ अमि ४॥ गुस अरु ना गुसन नील ४ अमि ४॥ सरुम र्ध (६)
 ॥ सहि ४॥ ऊर्ध्व नील मस्य जि ४॥ रुवन नील ४ अमि ४॥ लु ४॥ विष्टया को ॥ विष्ट ४॥ गृध्र अरि की काः
 यी ॥ गृ ४॥ धा नी ४ नील र्धवा क उ उ क ४॥ उप स्या र व नि ॥ धका ना वृ ध र्थ ४॥ व न नि द्या र्थ ॥ व न ध
 नी नी व ना क ४॥ वा क प स्य ४॥ व का म नी व र्थ ४॥ व ना की ॥ ऊ ल्य व का र्थ वा वि ॥ ऊ ल्य क ४॥ रि क ४॥
 या र्थ ॥ रि कि उ नील मस्य रि का क ४॥ रि क ४॥ रि क ४॥ सा ना र्थ र्थ ॥ स प स्या दा इ पू र्वा र्थ र्थ
 ना वि स्या व नील र्थ वि ना पि उप स्या र व नि ॥ व न प वि रा ष (६) ॥ २० यो न ४ स ४॥ दि वी ॥ य ४॥

१४५

थरु पा वि श्र व ना य सा न र्म ग ध क र व ल्या र व म इ क र वि क क ल्या र व क ड ४॥ १॥

न ना वा ॥ १४५ ना व
 ३५

त्रिया गयहाल रुवनि ॥ पूर्वस्य हसादि ॥ यय कू निस्त्रि ॥ आन ॥ पूर्वस्य वश्विना नूकानस्य
 आका नी रुवनि ॥ या ययूक ॥ नूधाद नम ॥ दधन नील ॥ नम ऊपानू निगिनि नूमा गम ॥ पूर्वस्य ॥ दं द
 भूक ॥ जयन नील ॥ ऊं पू क ॥ वदन नील ॥ वावहूक ॥ जागन द नील ॥ जागनूक ॥ आदग ॥ किद्विः
 वरुग ॥ आका ना नाद का ना नाद नि ॥ नील ॥ र्थरुग का न कि ॥ प्रत्य या रुवनि ॥ धा ना थ द्वि च वन ॥ नाम
 ॥ सामीप्य रिद दिम थ कि न रुक ॥ ऊ का न वि ना ड डि ॥ पो पुली क महादि जान ॥ सदा ना दय ॥ स
 वस्मिन् का न उ दय ॥ प्रत्य या रुवनि ॥ गुरु क न द ॥ धका ना वृद्धार्थ ॥ क ना नी नि का न ॥

१४०

वागनि वधनया ॥ वागी निवाय ॥ आनायू ॥ इमि नू प्ररुप ॥ मिना निमा य ॥ स्वद स्वाद आस्वादना ॥
 स्वाद ॥ कृ भ आका न नादन व ॥ कृ भ ना जा द ॥ ध ॥ इ रि ॥ इ ॥ की भ नी नि का द ॥ ह प्रत्य य ॥ आ
 व न रुया लना ॥ मूक प्रत्य य ॥ क का न कि का र्थार्थ ॥ कि वा सी प सा न धी ॥ अ व नी नि डाम ॥ अ न सा न ल
 गमनी ॥ म वि धू प र्य य ॥ ध का ना वृद्धार्थ ॥ अ न नी नि आ ला ॥ म धू प धा स ना म वि प र्य या प धा र
 ग ल्य स का न ल्य न का ना द ॥ रु व नि ॥ ह रि वृ रि वृ रि वृ द ॥ वृ ह वा र्द ह न वा द वा व का ॥ धू धा न व
 धा प्र द या ॥ म प र्य य ॥ धा न द ॥ ध ध म ॥ धू य क य न ॥ धा द न लि ॥ धा द द नि ॥ न लि प र्य या

याकृत्वा॥ इमं दध्नीयं विद्यानि॥ धागा रविष्यतिकाने इमं प्रत्यया रवनि॥ नदर्थयं कि
 पशुश्रमानायां॥ उज्यालनाद्यवसानया॥ राहुं वजनि॥ य० उमी०॥ लोउमी०॥ य० उमी०॥
 धागा रावर्थयं प्रत्यया रवनि॥ चडा० क० (गोदिनि॥ चडा० क० का नगका नोरवग० चिनिपन॥ य० यम
 निपाक०॥ उका नावर्थ०॥ लज्जा मो॥ लज्जा न०॥ निपाक०॥ जहा० प्रत्यया ग०॥ अत्रया ग०॥
 राजसवायी॥ विरजनविराग०॥ उ० धागो० न०॥ सहायामकरुविव॥ करुवजिर्नकानकः
 रावकर्मविव० प्रत्यया रवनिर्नसायी विषय॥ प्रणिपनिकाय माद्रिय० निपसाव०॥ उ०

१४२

नक्षत्रवास० दीयन० निदाय० विप्रियन० निविकान० पीयन० निपायी॥ साधनाधान
 योर्वीरना नानासना नानाचय० उवकृत्वा० मृजृद्विपिनि॥ अ० व० म० न० न० न० निम्यामाः
 न०॥ लिखन० निरुख०॥ आवनरा मित्रित्याचान०॥ उ० म० ध० य० न०॥ अधीयन० निम्याय
 ०॥ स्वनाद० न०॥ स्वनादकमि नप्रत्यया रवनितावादी॥ स० वीयन० निम्याय० नीयन०
 निम्याय०॥ उलीयन० निम्याय०॥ मुवन० निम्याय०॥ नृविकृप॥ प्रियमविप्रियनकाः
 मादिति विनिम्याय०॥ य० विरव०॥ म० द०॥ म० द०॥ नोर्म० प्रत्यया रवनितावादी॥ म० द०॥ प्रमाय

म०

रुवनि॥पत्रा॥मृशषुधो॥मृजोमिदादिदो॥जनस्यगठानुर्वधनहिनाइपुष्ययारुवनि॥समुवयाहा
नो॥जना॥गुनाहिसाह॥उत्रमभीर्वागार्हसाभादपुष्ययारुवनि॥रुवेष्टायी॥आर्विहसा॥शीहा
॥उहाविमर्क॥उहा॥रुदभर्नाकनया॥शीका॥पुष्ययानाध॥पुष्ययानाधानावकानपुष्य
भीयीरुवनि॥विकीर्षा॥पुगीया॥त्रावन४मि॥यी॥रुषाप्॥पूर्वकालसू॥समानाकरुर्कधमोपयां १५५
प्रमानपूर्वकालसू॥पुष्ययारुवनिस्त्रावाउर्का॥उद्गुवजनि॥सू॥सद्गा॥वरित्वावदित्वा॥विदित्वा
॥मूलंखत्वा॥पुमिष॥धसू॥मूलंउत्का॥खलुउत्का॥उदिन४उदिन४कावद्गा॥उदिनाधना४का

[illegible]

धंकारं ॥ ॐकारं ॥ उवांरावकपू ॥ वक्रदयंगमशा ॥ नक्रनीमूत्र ॥ लक्रदर्शनकनयाशा ॥ लक्रशा ॥
 त्यायग ॥ ४ ॥ उवांरावकपू ॥ वक्रदयंगमशा ॥ नक्रनीमूत्र ॥ लक्रदर्शनकनयाशा ॥ लक्रशा ॥
 धंकारं ॥ ४ ॥ उवांरावकपू ॥ वक्रदयंगमशा ॥ नक्रनीमूत्र ॥ लक्रदर्शनकनयाशा ॥ लक्रशा ॥
 धंकारं ॥ ४ ॥ उवांरावकपू ॥ वक्रदयंगमशा ॥ नक्रनीमूत्र ॥ लक्रदर्शनकनयाशा ॥ लक्रशा ॥
 धंकारं ॥ ४ ॥ उवांरावकपू ॥ वक्रदयंगमशा ॥ नक्रनीमूत्र ॥ लक्रदर्शनकनयाशा ॥ लक्रशा ॥
 धंकारं ॥ ४ ॥ उवांरावकपू ॥ वक्रदयंगमशा ॥ नक्रनीमूत्र ॥ लक्रदर्शनकनयाशा ॥ लक्रशा ॥

१५६

यनमहंसपनिवाजकान्तरुमिस्व नूपाचार्यविनविनासाप्रसमीपक्रियासमाप्ता ॥
 सम्यग् ॥ २० ॥ योषकृद्वनवमि ॥ आदित्यवात्र ॥ थक्रकृ ॥ काष्ठपमउपपद ॥ नमदि ॥ सिंरुमहाविहात्र ॥ वलि
 गक्रलपाय ॥ श्रीवजाच ॥ इगपम ॥ ४ ॥ पथमात्मजानूजानूज ॥ श्रीचक्रयनिमा ॥ स्या ॥ ध्रुव ॥ रु ॥ उ ॥ ना ॥ स ॥
 रु ॥ न ॥ लि ॥ रि ॥ वि ॥ मी ॥ सी ॥ पू ॥ र्म ॥ मि ॥ नि ॥ ॥ यदि ॥ शु ॥ द्ध ॥ म ॥ शु ॥ द्ध ॥ वा ॥ ग्मा ॥ ध ॥ निय ॥ म ॥ रु ॥ द्वा ॥ र्मा ॥ शु ॥ र ॥ रु ॥ या ॥ रु ॥ ॥
 रु ॥ द्वा ॥ य ॥ ति ॥ द्वा ॥ दि ॥ भा ॥ नु ॥ य ॥ ति ॥ मे ॥ दि ॥ ग्मि ॥ भा ॥ गे ॥ पु ॥ च ॥ न ॥ ति ॥ य ॥ दि ॥ मे ॥ रु ॥ द्वा ॥ ति ॥ तां ॥ या ॥ ति ॥ व ॥ द्वा ॥ ॥ वि ॥ क ॥ स ॥ ति ॥ य ॥ दि ॥ य ॥ द्वा ॥ य ॥ व ॥ ता ॥ गे ॥ शि ॥ ला ॥ यां ॥ न ॥ भ ॥ व ॥ ति ॥
 वि ॥ द्वा ॥ ति ॥ सा ॥ ध्रु ॥ वा ॥ क ॥ द ॥ यि ॥ ॥ १ ॥ ॥ फ ॥ रा ॥ गी ॥ न्द्र ॥ र ॥ त ॥ न ॥ व ॥ ज्ञा ॥ चा ॥ र्थ ॥ स्य ॥ पु ॥ रु ॥ त ॥ क ॥ मि ॥ द ॥ म् ॥ ॥

१५७

मि

सुतिशना

१५०

१५०